INS ACCREDITED
यूंनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी
सांध्य दैनिक
यूनिक समय
RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update

वर्ष-4 | अंक-51 | मथुरा, शुक्रवार, 17 अप्रैल 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

शेयर मार्केट में अधिक मुनाफा देने के नाम पर ठगे 60 लाख

यूनिक समय, मथुरा। शेयर मार्केट में अधिक मुनाफा कमाने का लालच देकर ठगी करने वाले साइबर ठगों ने मथुरा को भी अपने चंगुल में ले लिया है। साइबर अपराधियों ने जनपद के दो लोगों को अपना शिकार बनाकर इनसे 60 लाख की ठगी करली है। पीड़ितों ने साइबर अपराधियों के खिलाफ साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

साइबर अपराधियों ने शेयर मार्केट में इनवेस्टमेंट करने वालों को भारी मुनाफा कमाने का एक वेवसाइट पर लालच दिया। मथुरा के दो लोगों ने मोटे मुनाफे के लालच में इस वेव साइट पर अपने धन का इनवेस्ट शेयर मार्केट में करने का मन बनाया। साइबर अपराधियों द्वारा शेयरों को इस तरह बताया था कि हरहाल में शेयर मार्केट में पैसा लगने पर मुनाफा होगा। इस तरह के दिखाए गए प्रलोभन में आकर मथुरा के दो व्यापारियों ने साठ लाख रुपये शेयर बाजार में इनवेस्ट कर दिए। शेयर मार्केट में इतनी मोटी रकम इनवेस्ट करने वाले इन व्यापारियों को जब इस बात की जानकारी हुई शेयर मार्केट में इनवेस्ट करने वाली वेवसाइट फर्जी है दोनों व्यापारियों के होश उड़ गए और अपने को ठगा महसूस करने लगे। दोनों व्यापारियों ने अपने साथ ऑन लाइन की गई इस ठगी के मामले की शिकायत साइबर थाने में की। साइबर थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों मामलों में अपराधियों द्वारा किए गए फ्रॉड की जांच की जा रही है। शीघ्र ही फ्रॉड करने वालों का पता लगा कर कार्रवाई की जाएगी।

दोनों लोगों ने साइबर थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट

साइबर थाने ने तेजी से जांच की शुरू

सचखंड एक्सप्रेस में बीमार बच्चे ने अस्पताल में दम तोड़ा

कोसीकलां रेलवे स्टेशन पर तबियत बिगड़ने पर ट्रेन से उतारकर बच्चे को ले जाते पिता।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, कोसीकलां। रेलवे स्टेशन पर सचखंड एक्सप्रेस ट्रेन को रोका तो हर कोई ठिठका। आखिरकार इस ट्रेन को क्यों रोका गया। माजरा समझ में आते ही सभी ने राहत की सांस की।

जानकारी के अनुसार सचखंड एक्सप्रेस में सवार सात माह के मासूम बच्चे की होडल के पास अचानक तबीयत खराब हो गई थी। उसके पिता ने रेलवे स्टाफ को सूचना दी। कोसीकलां में ट्रेन रोककर बच्चे को एंबुलेंस से सीएचसी भेजा गया, यहां चिकित्सक ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। ट्रेन करीब पांच मिनट तक स्टेशन पर खड़ी रही। शहीद भगत सिंह नगर, दिल्ली निवासी शेखर अपनी पत्नी व सात माह के बेटे शौर्य के साथ शुक्रवार की दोपहर में12716 सचखंड एक्सप्रेस में गार्ड ब्रेक के पास जनरल कोच में सफर कर रहे थे। ट्रेन के होडल निकलने के बाद शौर्य की तबीयत अचानक खराब हो गई। पिता ने रेलवे स्टाफ को सूचना दी। कंट्रोल रूम के निर्देश के बाद कोसीकलां में ट्रेन को रोका गया। स्टेशन अधीक्षक राजू मीणा, वरिष्ठ बुकिंग राम मोहन शुक्ला, आरपीएफ उप निरीक्षक वींरेंद्र सिंह आदि ने मिलकर बच्चे को सीएचसी भिजवाया जहां चिकित्सकों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। परिजन बिना कार्रवाई के ही शव घर लेकर चले गए। सीएचसी प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. गिरेंद्रपाल सिंह ने बताया कि बच्चे की तबीयत पहले से ही खराब थी, परिजनों ने बताया कि बच्चा बुखार से पीड़ित था। परीक्षण के बाद ऐसा प्रतीत हो रहा था कि पेट में भी पानी भरा हुआ हो।

पिता की सूचना पर ट्रेन को कोसीकलां स्टेशन पर रोका

स्टाफ ने बीमार बच्चे को हॉस्पिटल भेजा

डॉक्टर द्वारा मृत घोषित करने पर माता-पिता दुखी

चुनावी साल में बाबा साहेब के सहारे सबका दांव

भाजपा, बसपा, कांग्रेस और सपा ने किए कार्यक्रम

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अगले साल 2027 में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। चुनाव जीतने के लिए प्रदेश का हर राजनैतिक दल डॉ. बीआर आंबेडकर के सहारे चुनावी दांव खेलने की तैयारी में दिखाई दे रहा है। भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती जिले भर में धूमधाम से मनाई गई। जयंती को धूमधाम से मनाने के लिए हर दल ने कोई कसर नहीं छोड़ी। वजह साफ दिखाई दे रही है कि विधानसभा चुनाव में साल भर का समय भी शेष नहीं रह गया है। इसे देखते हुए मथुरा संसदीय क्षेत्र और पांच विधानसभा क्षेत्र मथुरा-वृंदावन, छाता,

गोवर्धन, मांट और गोकुल में दलित वोट बैंक को साधने की मंशा से सभी राजनीतिक दलों ने डॉ. आंबेडकर की जयंती भव्य तरीके से मनाई। चुनाव में दलित वोट बैंक किस ओर करवट लेगा यह तो समय ही बताएगा, लेकिन उन्हें अपने पाले में खींचने के लिए भाजपा, सपा, कांग्रेस और बसपा कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखना चाहती है। देखा जाए तो आज डॉ. आंबेडकर की जयंती मनाने के कार्यक्रमों में भाजपा सबसे आगे दिखाई दी। उनकी ओर से ऐसे दावे किए गए।

अवैध कॉलोनियों पर चला विप्रा का बुलडोजर

14 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में हुई ध्वस्तीकरण की कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। विकास प्राधिकरण ने अवैध भू-विभाजन और अनाधिकृत कॉलोनी विकास के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अहिल्यागंज खादर, तीन वन परिक्रमा मार्ग स्थित कांशीराम शहरी आवास योजना क्षेत्र में ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। रवि शर्मा द्वारा लगभग 4000 वर्ग मीटर भूमि पर सड़क व बाउंड्रीवॉल बनाकर अवैध कॉलोनी विकसित करने पर वाद संख्या एमटीडीए/जैड 1/एएनआई/2026/0000904 दर्ज किया गया था, जिसमें 25 मार्च 2026 को ध्वस्तीकरण आदेश पारित हुए। वहीं

श्री श्याम सुन्दर, संतोष, वेदप्रकाश, राजकुमार व श्याम अग्रवाल द्वारा करीब 10000 वर्ग मीटर क्षेत्र में प्लॉटिंग कर अनाधिकृत कॉलोनी बसाने पर वाद संख्या 0000905 में भी उसी दिन आदेश जारी हुए। निर्धारित समय में निर्माण नहीं हटाने पर 17 अप्रैल 2026 को उपाध्यक्ष के निर्देश पर सचिव के नेतृत्व में प्रवर्तन दल व थाना गोविंद नगर पुलिस की मौजूदगी में ध्वस्तीकरण कार्रवाई पूरी की गई।

दिक्कत

मथुरा में भी रुकी पीएम किसान सम्मान निधि की रकम

12 हजार से अधिक किसान प्रभावित

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में डेटा गड़बड़ी का संकट गहराता जा रहा है। प्रदेशभर में करीब 16.98 लाख मामले लंबित हैं, जिसके चलते लाखों किसानों की किस्त अटक गई है और उन्हें समय पर धनराशि नहीं मिल पा रही है।

जनपद के किसान इस समस्या से प्रभावित हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार जिले में म्यूटेशन संबंधी 3,153 मामले, पुराने व नए भूमि स्वामी के डेटा में अंतर के 1,474 मामले तथा पूर्व स्वामी की अधूरी पहचान के 8,003 मामले लंबित हैं। इस तरह कुल मिलाकर 12 हजार से अधिक किसान सीधे प्रभावित हैं,

जिनकी किस्त तकनीकी त्रुटियों में फंसी हुई है। प्रदेश स्तर पर भी स्थिति कम गंभीर नहीं है। आंकड़ों के अनुसार 2.83 लाख से अधिक म्यूटेशन विवाद, 2.73 लाख मामलों में मालिकाना डेटा का टकराव और 11.42 लाख मामलों में अधूरी पहचान सामने आई है। यही कारण है कि ऐसे लाभार्थियों को संदिग्ध श्रेणी में डालकर उनकी किस्त रोक दी गई है।

पोर्टल पर फंसे किसान सिस्टम और जमीनी हकीकत में बड़ा अंतर

अप्रैल के अंत तक सत्यापन का लक्ष्य, नहीं सुधरे तो निरस्तीकरण का खतरा

मथुरा जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में किसान अपडेट मिसिंग इंफॉर्मेशन की स्थिति में फंसे हुए हैं। जानकारी के अभाव और प्रक्रिया की जटिलता के कारण किसान तहसील और कृषि विभाग के चक्कर काटने को मजबूर हैं, लेकिन समाधान की गति अपेक्षाकृत धीमी बनी हुई है। वहीं कृषि उपनिदेशक बसंत कुमार दुबे ने बताया कि लंबित मामलों के निस्तारण के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है और अप्रैल के अंत तक सत्यापन एवं डेटा सुधार का लक्ष्य तय किया गया है। उन्होंने कहा कि पात्र किसानों को योजना का लाभ दिलाना प्राथमिकता है।

हालांकि, चेतावनी भी दी गई है कि यदि समय पर डेटा सुधार नहीं हुआ तो कई मामलों को निरस्त किया जा सकता है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या प्रशासन समय रहते व्यवस्था दुरुस्त कर पाएगा या किसान यूं ही कागजी उलझनों में फंसा रहेगा।

संजय प्लेस में बने स्काई टॉवर में भीषण अग्निकांड

यूनिक समय, आगरा। थाना हरीपर्वत क्षेत्र के अंतर्गत शहर के प्रमुख व्यावसायिक केंद्र संजय प्लेस स्थित स्काई टावर कॉम्प्लेक्स में शुक्रवार दोपहर भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग प्रथम तल पर स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक सामान के गोदाम में लगी, जिसमें कंप्यूटर, लैपटॉप और सीसीटीवी उपकरण बड़ी मात्रा में रखे हुए थे। घटना में करीब 90 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आग दोपहर करीब 12:30 बजे स्काई टावर के प्रथम तल पर स्थित एक्सट्रीम इन्फोटेक नामक दुकान के गोदाम में अचानक भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और ऊंची-ऊंची लपटें खिड़कियों से बाहर निकलने लगीं। कुछ ही देर में काले धुएं का घना गुबार पूरे इलाके में फैल गया, जिससे आसपास के दुकानदारों और राहगीरों में दहशत का माहौल बन गया। लोग अपनी-अपनी दुकानों और कार्यालयों को छोड़कर बाहर निकल आए। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दो दमकल गाड़ियां तत्काल मौके पर पहुंचीं, जबकि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तीसरी दमकल भी भेजी गई। दमकलकर्मियों ने सीढ़ियों के माध्यम से खिड़कियों तक पहुंचकर आग बुझाने का अभियान शुरू किया। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। अग्निशमन अधिकारी सोमदत्त सोनकर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। वहीं मुख्य अग्निशमन अधिकारी देवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि दमकल टीम ने तत्परता दिखाते हुए स्थिति को जल्द नियंत्रित कर लिया। स्थानीय व्यापारियों और लोगों के सहयोग से राहत कार्य में तेजी आई।

घटना में गोदाम मालिक हरविंदर सिंह का बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है। गोदाम में रखे महंगे लैपटॉप, कंप्यूटर पार्ट्स और सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह जलकर खाक हो गए।

90 लाख का नुकसान समय रहते टला बड़ा हादसा

ग्रो ग्राम परखम में श्री राम कथा का समापन

गौशाला में गूंजे जय श्रीराम के जयकारे

ग्रो ग्राम परखम में चल रही रामकथा के विश्राम पर आयोजित पूर्णाहुति में भाग लेते जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल। साथ हैं सपत्नी सुरेश कौशिक, प्रमोद गर्ग कसेरे। दूसरे चित्र में निरंजन पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि से मुलाकात कर आशीर्वाद प्राप्त करते जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल समेत अन्य पदाधिकारी।

लेजर शो और पूर्णाहुति के साथ

हजारों श्रद्धालुओं ने पाया प्रसाद

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। गो ग्राम परखम में चल रही श्री राम कथा के विश्राम पर शुक्रवार को विशाल भंडारा का आयोजन किया गया। श्री राम कथा विश्राम और लेजर शो के बाद हुए भंडारे में हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे के लिए सेक्टर में इंतजाम किए गए थे। व्यवस्था में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने सहयोग किया।

गो ग्राम परखम स्थित दीनदयाल कामधेनु गोशाला में आज सुबह से ही धार्मिक माहौल था। पूर्णाहुति के बाद भंडारे का शुभारंभ हुआ। दो दर्जन भट्ठियों पर श्रद्धालुओं के लिए पूआ, सब्जी और खीर तैयार की गई थी। सुबह 11 बजे भगवान का भोग लगाने के बाद भंडारा शुरू हो गया। आसपास के गांवों के हजारों लोगों ने देर शाम तक भंडारे में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया। बाहर से आए श्रद्धालुओं ने भी प्रसाद पाया। भंडारे को सुव्यवस्थित संचालित करने के लिए कथा पंडाल में ही अलग-अलग 10 सेक्टर बनाए गए थे, सभी सेक्टरों की जिम्मेदारी वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की जिम्मे की गई, टेबिलों पर साम्रगी उपलब्धता के लिए भी कार्यकर्ता को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। श्रद्धालुओं को प्रसाद ग्रहण करने का जिम्मा सैकड़ों युवक और युवतियों ने संभाला, सफाई व्यवस्था का भी काम बेहतर रूप से चलता रहा।

इस दौरान पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अनूप चौधरी, सर्व व्यवस्था प्रमुख शिव कुमार, जगमोहन पाठक, भीकम चंद दुबे, राजेंद्र शर्मा, महीपाल सिंह, अशोक पाठक, केके शुक्ला, राज दर्शन पचौरी, गोविंद सिंह, भवानी शंकर पचौरी, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अनिल सिंह, पूर्व विधायक कारिंदा सिंह, पारस ठाकुर, मनीष ओझा आदि मौजूद थे। सुरक्षा और शांति व्यवस्था के लिए पुलिस बल के साथ प्रभारी निरीक्षक छोटेलाल भी मौजूद रहे।

उड़न खटोला से विदा हुए महामंडलेश्वर

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। 10 अप्रैल से सात दिन तक हजारों श्रद्धालुओं को राम के आदर्श और चरित्र का रसपान कराने वाले निरंजन पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि हेलीकॉप्टर से विदा हो गए। दोपहर करीब 12:30 बजे हेलीपैड पर राम कथा समिति और गोशाला के पदाधिकारियों ने महामंडलेश्वर को विदाई दी। इससे पहले श्री राम कथा समिति के अध्यक्ष एवं जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल, क्षेत्रीय प्रचारक महेंद्र कुमार, संरक्षक सतीश अवाना, उपाध्यक्ष सुरेश कौशिक, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी, मंत्री जल पुरुष प्रमोद गर्ग कसेरे, संयोजक उमेश शर्मा, अभिषेक गौड़ तथा स्मारक निदेशक सोनपाल ने भेंटकर आशीर्वाद लिया।

लेजर शो बना आकर्षण

श्री राम कथा विश्राम के बाद गोशाला परिसर में लेजर शो आयोजित हुआ। शो के माध्यम से गाय के महत्व और रामचरितमानस के प्रभाव पर प्रकाश डाला गया। शो को देखने के लिए देर रात तक श्रद्धालु जमे रहे। सांस्कृतिक दल के कलाकारों ने भी कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

समिति ने जताया आभार

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। श्री राम कथा समिति के अध्यक्ष जीएलए विवि के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल, कोषाध्यक्ष नरेंद्र पाठक, संरक्षक सतीश अवाना, उपाध्यक्ष सुरेश कौशिक, किशन चौधरी, मंत्री प्रमोद कसेरे, संयोजक उमेश शर्मा, अभिषेक गौड़, स्मारक निदेशक सोनपाल आदि ने श्री राम कथा की व्यवस्था में सहयोग करने वालों का आभार व्यक्त किया है।

बादलों से राहत, नीचे आया पारा

मौसम विभाग का पूर्वानुमान

अगले सप्ताह अधिकतम तापमान पहुंच जाएगा 44 डिग्री सेल्सियस

यूनिक समय, मथुरा/फरह। शुक्रवार की सुबह से शाम तक कई बार छाए बादलों ने लोगों को बड़ी राहत दी, वहीं मौसम के बिगड़ते मिजाज को देख किसान परेशान नजर आए। बीते कई दिन से मौसम पूरी तरह साफ होने से तापमान ऊपर चढ़ने लगा है। ऐसे में गर्मी का प्रकोप बढ़ने से लोगों को परेशानी होने लगी है। दोपहर में जनजीवन सुस्त होने लगा है तो यातायात भी कम संख्या में संचालित हो रहा है। सुबह करीब आठ बजे तक धूप नहीं निकल सकी। इसके बाद मौसम कुछ साफ हुआ तो धूप निकल आई, वैसे शाम होने तक कई बार आसमान पर बादल बने रहे। इस दौरान चलने वाली बयार भी लोगों को राहत देती रही। वहीं, मौसम विभाग ने जनपद से जुड़ा मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। आगामी 24 अप्रैल तक जारी किए गए पूर्वानुमान में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना जताई गई है। मौसम के ऐसे हाल से किसान अभी परेशान है, इसलिए वह जल्दी से गेहूं की फसल को समेट कर घर पहुंचाने में जुटे हुए हैं।

महिला आरक्षण बिल लोकसभा में अटका

दो-तिहाई बहुमत नहीं मिलने से गिरा प्रस्ताव

यूनिक समय, मथुरा/नई दिल्ली। लोकसभा में शुक्रवार को महिला आरक्षण से जुड़े संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026 पर मतदान हुआ, लेकिन आवश्यक दो-तिहाई बहुमत न मिलने के कारण बिल पारित नहीं हो सका। बिल के पक्ष में 298 वोट पड़े, जबकि विरोध में 230 सांसदों ने मतदान किया। संविधान संशोधन के लिए सदन में दो-तिहाई समर्थन अनिवार्य होता है, जो इस बार सरकार को नहीं मिल पाया। इससे पहले बिल पर लंबी बहस चली, जिसमें विपक्ष ने लगातार इसका विरोध किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष से समर्थन की अपील की, लेकिन सहमति नहीं बन सकी। इस विधेयक के गिरने के बाद सरकार द्वारा पेश किए गए 'परिसीमन विधेयक 2026' और 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक 2026' को भी आगे नहीं बढ़ाया जा सका।

काम की खबर

आईटी विभाग ने ऐसे पकड़ा पूरा मामला

प्रॉपर्टी डील में 25 लाख कैश का खेल पड़ा भारी!

सेल डीड में कम रकम दिखाकर टैक्स बचाने की कोशिश

30 लाख से ऊपर की डील पर आईटी विभाग की ऑटो रिपोर्टिंग

बैंक में कैश जमा करते ही सिस्टम ने उठाया रेड फ्लैग

इनकम टैक्स ने पूछा "कैश का सोर्स क्या है?"

यूनिक समय, मथुरा। एक व्यक्ति ने अपनी प्रॉपर्टी 50 लाख में बेची, लेकिन उसने सेल डीड में केवल 25 लाख ही दिखाए और बाकी 25 लाख रुपये कैश में ले लिए। उसका इरादा साफ था-कम रकम दिखाकर टैक्स बचाना और इनकम टैक्स विभाग की नजर से बच निकलना। उसे लगा कि आधी रकम छुपाकर वह सुरक्षित रहेगा, लेकिन यह फैसला आगे चलकर उसकी सबसे बड़ी गलती साबित हुआ।

दरअसल, नियमों के अनुसार 30 लाख से अधिक की प्रॉपर्टी डील पर रजिस्ट्रार की ओर से जानकारी स्वतः इनकम टैक्स विभाग को भेज दी जाती है। शुरुआत में मामला सामान्य लगा, लेकिन असली परेशानी तब शुरू हुई जब कुछ महीनों बाद उसने दूसरी प्रॉपर्टी खरीदने की कोशिश की।

नई डील में विक्रेता ने केवल बैंक ट्रांसफर से भुगतान की शर्त रख दी। ऐसे में व्यक्ति को अपने पास रखा 25 लाख कैश बैंक में जमा करना पड़ा। जैसे ही बड़ी नकद राशि बैंक खाते में गई, सिस्टम ने उसे रेड फ्लैग कर दिया और ट्रांजैक्शन की जानकारी सीधे आयकर विभाग तक पहुंच गई। विभाग ने तुरंत नोटिस भेजकर कैश का स्रोत पूछा। व्यक्ति ने इसे "पर्सनल सेविंग्स" बताया, लेकिन उसके पास कोई बैंक रिकॉर्ड, निकासी स्लिप या वैध सबूत नहीं था। यहीं से मामला गंभीर हो गया।

जांच में इनकम टैक्स एक्ट की धारा 269 के तहत नियम उल्लंघन सामने आया, क्योंकि प्रॉपर्टी ट्रांजैक्शन में बड़े कैश लेन-देन की अनुमति नहीं है। साथ ही सेल डीड में कम मूल्य दिखाने पर धारा 50 सी लागू हुई, जिसके तहत टैक्स की गणना सरकारी सर्कल रेट के आधार पर की गई, जिससे टैक्स और बढ़ गया।

नतीजा यह हुआ कि व्यक्ति को भारी टैक्स, 100 प्रतिशत तक पेनल्टी और कानूनी खर्च का सामना करना पड़ा। जो पैसा उसने "बचाया" समझा था, वही उसके लिए आर्थिक बोझ बन गया। यह घटना एक बड़ा सबक देती है कि प्रॉपर्टी डील में कैश छुपाना या कम वैल्यू दिखाना कभी सुरक्षित नहीं होता। पारदर्शी और कानूनी तरीके से लेन-देन करना ही सबसे सही और सुरक्षित विकल्प है।

दो तमंचा और कारतूस बरामद दो शातिर दबोचे

यूनिक समय, मथुरा। महावन थाना पुलिस ने स्थानीय ईदगाह के पास से मोहित निवासी चौक बाजार कस्बा महावन और रवी शंकर निवासी नगला सेवा महावन को कार से जाते हुए पकड़ लिया। पुलिस ने दोनों शातिरों से 315 वोर व 32 बोर के दो तमंचा व कारतूस बरामद किए हैं। पकड़े गये आरोपियों से पुलिस अभी पूछाताछ में जुटी हुई है।

तापमान / मौसम

31 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

23 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरट 1,54,350
22 कैरट 1,42,100
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,47,930 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112 -आपातकालीन सेवा
1962 - रेलवे हेल्पलाइन
100 - पुलिस
108 - एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102 - एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101 - अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090 - महिला हेल्पलाइन
1091 - महिला पुलिस सहायता
1098 - चाइल्ड हेल्पलाइन
104 - स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033 - राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073 - सड़क दुर्घटना आपात सहायता

बिजली शिकायत

1912- (बिजली कटौती, फॉल्ट, लो वोल्टेज, बिल से जुड़ी शिकायतें)
वाट्सऐप: 8010957826

नगर निगम

1533 - नगर निगम संपूर्ण शिकायत हेल्पलाइन
14420 – सीवर सफाई के लिए
18003094747- टोल-फ्री हेल्पलाइन (कॉमन सिटी शिकायत)
0565-2503632 - नगर निगम कार्यालय फोन (नियमित शिकायत)

यूनिक समय
हर खबर समय पर...
अब खबरें सिर्फ अख़बार में नहीं, आपके फोन पर भी
आपके शहर की हर हलचल
आपके गली-मोहल्ले की हर खबर
अब आपके फोन पर सिर्फ एक क्लिक में

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

ब्रह्मांड घाट इलाके में पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

शव मिलने से इलाके में मचा हड़कंप

यूनिक समय, मथुरा। थाना महावन क्षेत्र स्थित ब्रह्मांड घाट इलाके में पेड़ पर एक व्यक्ति के शव फंदे पर लटका देख कर इलाके में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ब्रह्मांड घाट इलाके में पेड़ पर एक युवक के शव को लटका हुआ देख वहां से गुजरने वाले लोगों ने आस-पास के लोगों को इस बारे में सूचना दी। पेड़ पर लटके शव को देखने के लिए काफी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। पुलिस को भी इसबारे में सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को उतरवा कर तलाशी की तो मृतक के पास से ड्राइविंग लाइसेंस मिला। पुलिस के अनुसार मरने वाला भूरा (25) पुत्र पतराम निवासी नगला बाला (पचावर) थाना बल्देव है। पुलिस ने भूरे के परिवार के लोगों को भी इस बारे में सूचना दी। परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए। परिवार के लोगों ने मोरचरी पर बताया कि भूरा ड्राइवर है। वह घर से ट्रक पर गया था। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। जानकारी करने पर पता लगा कि वह 14 अप्रैल को गाड़ी से आया था, मगर वह घर नहीं पहुंचा। उसका शव कल ब्रह्मांड घाट इलाके में पेड़ पर लटका हुआ मिला। भूरा की अभी शादी नहीं हुई थी। परिवार के लोगों द्वारा उसकी हत्या किए जाने की बात कही जा रही है। पुलिस का कहना है कि मृतक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही इस बात का पता लगेगा कि उसने आत्महत्या की है अथवा उसकी हत्या की गई है।साथ ही व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच भी बेहतर होगी। शासन की यह पहल ग्रामीण जनता के लिए राहत भरी साबित होगी और आने वाले समय में जनपद की परिवहन व्यवस्था को नई दिशा देगी।

मृतक की शिनाख्त भूरा के रूप में हुई

Aakash CIMS
Super Speciality Hospitals
भारतीय गुणवत्ता परिषद्
QUALITY COUNCIL OF INDIA
डॉ. गौरव भारद्वाज
Director - Aakash CIMS
24x7 Emergency Services
एडवांस्ड एम.आर.आई, कैथलेब, सीटी स्कैन, एक्स-रे, अल्ट्रासाउण्ड, ईको, टीएमटी, ईईजी, एनसीवी, एडवांस्ड सर्जिकल माइक्रोस्कोप, लेजर द्वारा सर्जरी, पैथ-लैबोरेट्री आदि।
"देश के जाने-माने अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ विश्वस्तरीय इलाज"
टीपीए एवं बीमा कम्पनियाँ द्वारा कैशलेस इलाज उपलब्ध
Call Connect +91-9258113570, 9258113571
आकाश सिम्स हॉस्पिटल, निकट राधावैली, एन.एच.19, मथुरा, उत्तर प्रदेश

प्रेमिका बनी प्रेमी की दुश्मन

होटल के कमरे में प्रेमिका ने प्रेमी को मार डाला

संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। थाना मलपुरा क्षेत्र के इटौरा में शुक्रवार दोपहर एक सनसनीखेज हत्याकांड सामने आया, जहां एक प्रेमिका ने अपने प्रेमी की होटल के कमरे में बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी प्रेमिका ने पहले हथौड़े से युवक के सिर पर वार किया और उसके बाद धारदार हथियार से गला रेतकर उसे मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद आरोपी महिला मौके पर ही बैठकर चीख-चीखकर अपने जुर्म का इजहार करती रही।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, फतेहपुर सीकरी निवासी खिल्लो शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे एक महिला के साथ इटौरा चौराहे स्थित होटल ताजपथ पहुंचा था। दोनों ने होटल की तीसरी मंजिल पर कमरा नंबर 204 लिया। बताया जा रहा है कि कमरे में दोनों ने शराब पी, इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया।

विवाद इतना बढ़ गया कि महिला ने अपने साथ लाए हथौड़े से युवक के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिया, जिससे वह बेहोश होकर गिर पड़ा। इसके बाद महिला ने धारदार हथियार से उसका गला रेत दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद महिला कमरे में बैठकर जोर-जोर से चिल्लाने लगी, "मैंने उसे मार डाला मैंने उसे मार डाला।" चीख-पुकार सुनकर होटल का एक कर्मचारी कमरे तक पहुंचा, जहां का मंजर देखकर उसके होश उड़ गए। उसने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही थाना मलपुरा पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे में मौजूद महिला को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी महिला शादीशुदा है और एक बच्चे की मां है। पुलिस को आशंका है कि महिला पूरी तैयारी के साथ वारदात को अंजाम देने आई थी, क्योंकि उसके बैग से हथौड़ा और धारदार हथियार बरामद हुए हैं। डीसीपी वेस्ट एसीपी आदित्य कुमार ने बताया कि युवक की हत्या के आरोप में महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और हत्या के पीछे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। वहीं, पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है और जल्द ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा करने की बात कह रही है।

आरोपी महिला गिरफ्तार

यूपीपीसीएस में चयनित कृष्णांगी त्रिपाठी का सम्मान

वृंदावन सेवा संस्थान (रजि.)
अभिनन्दन

पीसीएस परीक्षा में 48वीं रैंक प्राप्त कर असिस्टेंट कमिश्नर (कॉमर्शियल टैक्स) पद पर चयनित हुईं वृंदावन निवासी कृष्णांगी त्रिपाठी का सम्मान करते वृंदावन सेवा संस्थान के पदाधिकारी।

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन सेवा संस्थान के बैनर तले गोपाल वाटिका में आयोजित सम्मान समारोह में यूपीपीसीएस परीक्षा में 48वीं रैंक प्राप्त कर असिस्टेंट कमिश्नर (कॉमर्शियल टैक्स) पद पर चयनित हुईं वृंदावन निवासी कृष्णांगी त्रिपाठी का सम्मान किया। इस अवसर पर उनके पिता ब्रजकिशोर त्रिपाठी, माता ज्योत्सना त्रिपाठी एवं भाई गोविंद त्रिपाठी का भी सम्मान किया गया। सम्मान प्राप्त करते हुए कृष्णांगी त्रिपाठी ने कहा कि हर व्यक्ति को अपने लक्ष्य के लिए निरंतर मेहनत करनी चाहिए। असफलताओं से घबराने के बजाय उनसे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए और निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए, तभी सफलता प्राप्त होती है। कार्यक्रम में वृंदावन सेवा संस्थान के अध्यक्ष लक्ष्मण प्रसाद सर्राफ, निदेशक विश्वनाथ गुप्ता, टहल क्लब के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, प्रमोद अग्रवाल, महावीर शर्मा, बांकेबिहारी शर्मा, पुलिन बिहारी गौतम, हरिवंश खंडेलवाल, मोहनलाल मोही, केशव देव उपाध्याय, बृजेश गिरि, प्रो. केएम अग्रवाल, जीके दुबे, बृजभूषण चतुर्वेदी, अजय मूर्ति वाले एवं बसंत खेतान आदि उपस्थित थे।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव को लेकर तीन सदस्यीय समिति गठित

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा एवं परशुराम शोभायात्रा कमेटी द्वारा शांति नगर, महोली रोड पर भगवान परशुराम प्राकट्य उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। 18 अप्रैल को परशुराम चौक (बजरंग चौराहा) पर शाम 6:30 बजे आतिशबाजी, 19 अप्रैल को भागवत भवन हनुमान मंदिर में महाअभिषेक व पूजन तथा 20 अप्रैल को राधा कृष्ण एन्क्लेव, मधुबन में महिला संगोष्ठी होगी। वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष मनोज शर्मा ने बताया कि 31 सदस्यीय समिति गठित कर ब्रज प्रदेश महामंत्री पंडित राजेश पाठक को मुख्य संयोजक बनाया गया है। जिला अध्यक्ष इंजीनियर राजकुमार शर्मा व जिला महामंत्री आशीष गौतम चिंटू ने सहभागिता की अपील की।

स्वच्छता अभियान में शामिल हुई बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया

यूनिक समय, गोवर्धन। स्वच्छता अभियान में शामिल होने के लिए बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया के यहां आने की जानकारी मिली है।

उन्होंने इस दौरान मौजूद सेवाभावी भक्त 'भागवत' का उत्साह बढ़ाया और सफाई कार्य में जुटे स्वयंसेवकों को प्रोत्साहित किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अभिनेत्री ने सफाई कार्य में लगे लोगों से बातचीत की और स्वयं आगे बढ़कर गोवर्धन के भक्त भागवत के हाथों में दस्ताने पहनाकर उन्हें सुरक्षित रूप से कार्य जारी रखने के लिए प्रेरित किया। अभियान से जुड़े लोगों का कहना है कि यह पहल केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण नदी की स्वच्छता को लेकर जन-जागरूकता बढ़ाना भी है। नेहा धूपिया ने कहा कि नदियों की स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति का कर्तव्य है। उन्होंने कहा की यमुना हमारी आस्था, संस्कृति और जीवन से जुड़ी हुई है। इसे स्वच्छ रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। यहां जो लोग लगातार सेवा कर रहे हैं, वे वास्तव में समाज के लिए प्रेरणा हैं। मैं बस उनका मनोबल बढ़ाने आई हूं। स्वयंसेवक भक्त भागवत ने कहा कि उन्हें इस कार्य में शामिल होकर गर्व महसूस होता है। उन्होंने बताया कि यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि 'मुझे इस सेवा में योगदान देने का अवसर मिला। नेहा धूपिया के आने और उनके प्रोत्साहन से हमारा हौसला और बढ़ गया है।

यमुना किनारे अज्ञात व्यक्ति का शव मिला

यूनिक समय, मथुरा। थाना यमुनापार इलाके में यमुना किनारे एक अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ है। मृतक व्यक्ति की पहचान नहीं हो सकी है। मृतक के हाथ पर कृष्णकांत लिखा हुआ है।

यमुना के पानी में एक अज्ञात व्यक्ति का शव तैरते देख वहां मौजूद लोगों ने सनसनी फैल गई। काफी संख्या में लोग वहां एकत्रित हो गए। लोगों ने शव को यमुना के पानी से निकाल कर किनारे कर दिया। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त के लिए उसकी तलाशी की। तलाशी के दौरान उसके पास से कोई भी ऐसी वस्तु बरामद नहीं हुई जिससे उसकी शिनाख्त हो पाती। पुलिस ने बताया कि मृतक के हाथ पर कृष्णकांत लिखा हुआ है। उसके शरीर पर काले रंग की पेंट और पिंक कलर की पूरी आस्तीन की बनियान है। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मृतक की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है।

हाथ पर लिखा है कृष्णकांत

शरीर पर पहन रखी है काली पेंट और पूरी आस्तीन की बनियान

के.डी. मेडिकल कॉलेज हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेंटर
अकबरपुर, छाता, मथुरा
QUALITY COUNCIL OF INDIA
जनरल सर्जरी विभाग
दूरबीन एंव चीरा विधि द्वारा सभी प्रकार के ऑपरेशन रियायती खर्चे पर।
- गुर्दे की पथरी/पित्त की थैली की पथरी
- स्तन के कैंसर की सर्जरी
- स्तन की गाँठें
- हर्निया प्लास्ट्री
- अपेन्डिक्स
- बवासीर व भगन्दर
- हाइड्रोसिल (अण्डकोष) का ऑपरेशन
- वेरीकोज वेंस (नसों संबंधी ऑपरेशन)
- पेट में गैस एवं एसिडिटी की सर्जरी
- आहार नली, पित्त की नली में सूजन व रुकावट
- पेट में अल्सर एवं कैंसर की सर्जरी
- अग्नाशय में कैंसर की सर्जरी
- आंतों में रुकावट एवं ट्यूमर की सर्जरी
- प्रोस्टेट कैंसर
- पेशाब की नली में गाँठ
- गुर्दों का कैंसर
- पेशाब संबंधी परेशानी
फ्री ओ.पी.डी.
प्रात: 9 बजे से सायं 4 बजे तक
24 7 आपातकालीन सेवाएं
प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना आयुष्मान भारत से ईलाज की सुविधा
भारतीय रेलवे से सम्बद्ध
हेल्थ इंश्योरेन्स से कैशलेस ईलाज की सुविधा
ECHS की सुविधा
हैल्पलाइन नं. 7055400400, 7088105741
सुविधाएं
- उच्च प्रशिक्षित डाक्टर्स एवं पैरामेडिकल स्टाफ
- ICU, SICU, HDU (वेंटीलेटर सहित)
- ब्लड बैंक, डायलिसिस
- अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर
- सीटी स्कैन/एम.आर.आई
- पैथोलॉजी

ग्राम पंचायतों से मुख्यालय तक सफर होगा आसान

28 अप्रैल से दौड़ेंगी प्राइवेट बसें

लंबे समय से जूझ रहे ग्रामीणों को राहत

समय की बचत के साथ बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित

29 नए बस रूट मंजूर सफर होगा सुगम

PRIVATE BUS

यूनिक समय, मथुरा। जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए बड़ी राहत की खबर है। लंबे समय से ग्राम पंचायतों से जिला मुख्यालय तक आने–जाने में हो रही परेशानी को देखते हुए प्रशासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब ग्रामीण अंचलों से शहर तक का सफर पहले की तुलना में अधिक आसान और सुगम होने जा रहा है। अक्सर ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों को मुख्यालय पहुंचने में पूरा दिन लग जाता था। इस कारण लोग जरूरी काम होने के बावजूद शहर आने से कतराते थे। परिवहन व्यवस्था की कमी और समय की बर्बादी उनके लिए बड़ी समस्या बनी हुई थी। लेकिन अब इस समस्या का समाधान प्रशासन ने निकाल लिया है। एआरएम मदन मोहन शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में प्राइवेट बस संचालन के लिए ग्रामीण अंचलों से 29 आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से 29 रूटों को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है, जिन पर 28 अप्रैल से प्राइवेट बसों का संचालन होने जा रहा है। उन्होंने बताया कि इन बसों के संचालन से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। अब वे कम समय में अपने गांव से जिला मुख्यालय तक पहुंच सकेंगे और अपने कार्यों को समय पर पूरा कर सकेंगे। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि यात्रियों को बेहतर सुविधा भी मिलेगी। प्रशासन द्वारा यह भी तय किया गया है कि प्राइवेट बसें निर्धारित बस अड्डे से ही सवारी उठाएंगी। इसके लिए बस संचालकों को प्रति बस प्रति माह 1500 रुपये रोडवेज विभाग में जमा करने होंगे। इस बस के संचालन से ग्रामीण अंचलों से आने जाने वाले लोगों को राहत मिलेगी। यात्रियों को व्यवस्थित सेवा मिल सकेगी। इस नई व्यवस्था से ग्रामीण अंचलों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और गांव–शहर के बीच आवागमन आसान बनेगा।

INS
UNICOM ADVERTISING
30 Years of Expertise in Newspaper Advertising
Turning Handshakes into Powerful
SUCCESSFUL BRANDS
CLIENT
UNICOM
unicomadvertising.com
We Provide Great Service to
Grow your Business
with Newspaper
ADVERTISING
GET FREE CONSULTATION NOW
Corporate Ads | Branding Ads | Brand Logo Design
+91 98371 55888, +91 98371 15157

ललित कुमार अरोड़ा के जन्मदिवस पर नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित

रोगियों के नि:शुल्क ऑपरेशन किए गए

ललित कुमार अरोड़ा के जन्मदिवस पर नेत्र रोगियों का उपचार करते डॉक्टर।

यूनिक समय, गोवर्धन। ललित कुमार अरोड़ा के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में गिर्राज फाइल्स प्रा. लि., वृन्दावन के सौजन्य से कल्याणं करोति नेत्र संस्थान द्वारा आयोजित निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद दर्जनों नेत्र रोगियों की जांच कर निःशुल्क ऑपरेशन किए गए। शैलेन्द्र चतुर्वेदी ने कहा कि सबसे बड़ा पुण्य काम करना चाहिए इसी को लेकर संस्थान के द्वारा जरूरतमंद लोगों के जीवन में उजाला लाने का यह पुनीत कार्य कराया जाता है। उन्होंने कहा कि कल्याणं करोति नेत्र संस्थान, के द्वारा समाज के कमजोर वर्गों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में समर्पित भाव से कार्य कर रही है।

खाद्य सुरक्षा अभियान से दुकानदारों में हड़कंप

उप जिलाधिकारी प्रजाक्ता त्रिपाठी के साथ खाद्य सुरक्षा अभियान में मिठाईयों की दुकान से सैंपिल लेते हुए।

कई दुकानों से लिए गए सैंपल

यूनिक समय, गोवर्धन। गर्मी के मौसम की शुरुआत के साथ ही मिलावटी और दूषित खाद्य पदार्थों की बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए स्थानीय प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। उप जिलाधिकारी प्रजाक्ता त्रिपाठी के नेतृत्व में विशेष खाद्य सुरक्षा अभियान चलाया गया, जिससे दुकानदारों में हड़कंप मच गया। उप जिलाधिकारी ने खाद्य विभाग की टीम के साथ गोवर्धन के दानघाटी, सोंख अड्डा और डीग अड्डा क्षेत्रों में सघन चेकिंग की। इस दौरान दूध, भोग सामग्री बेचने वाले विक्रेताओं के साथ–साथ मिठाई की दुकानों और अन्य खाद्य सामग्री विक्रेताओं की दुकानों की जांच की गई।

चेकिंग के दौरान टीम ने कई दुकानों से खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। प्रशासन का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर मिलावट पाए जाने पर संबंधित दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उप जिलाधिकारी ने अभियान के दौरान व्यापारियों को साफ–सफाई बनाए रखने और शुद्ध खाद्य पदार्थों की बिक्री करने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि मिलावट या अनियमितता पाए जाने पर किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। अभियान के दौरान थाना प्रभारी भगवत सिंह गुर्जर भी पुलिस टीम के साथ मौजूद रहे।

मस्ती की पाठशाला में पूर्व अध्यक्षों का सम्मान

स्थापना दिवस पर आयोजित मस्ती की पाठशाला कार्यक्रम में रंगारंग प्रस्तुति देते कलाकार।

यूनिक समय, मथुरा। जायंट्स ग्रुप ऑफ मथुरा वेस्ट के स्थापना दिवस पर आयोजित "मस्ती की पाठशाला" कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्षों का सम्मान करते हुए संस्कृति, शिक्षा और मनोरंजन का सुंदर संगम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बृजभूषण कालरा, भूपेंद्र अग्रवाल, विजय शोरावाला, दुष्यंत अग्रवाल, संजय खंडेलवाल, जगदीश चावला व संजय अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया।

अध्यक्ष दिनेशचंद्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष नीरज गर्ग, मनोज शर्मा, संजीव जैन व बृजेश सिंघल ने पूर्व अध्यक्षों को शाल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। राजेश मित्तल ने उनके योगदान पर प्रकाश डाला। अर्चना अग्रवाल (प्रधानाचार्य) व भावना अरोड़ा (निरीक्षक) के निर्देशन में हर्ष अग्रवाल, प्रथम गर्ग, बबिता जैन, शिखा भल्ला, डेजी चुग, नीता मित्तल, संगीता सिंघल, पायल अरोड़ा, रितु पिपलानी, पूजा शर्मा, सोनिका अग्रवाल, पूनम अग्रवाल, श्रेया, निधि, साक्षी, आकांक्षा व गुंजन ने शानदार प्रस्तुति दी। दीपक अरोड़ा, आशा अग्रवाल, ज्योति चौधरी, अमित गर्ग, ऋचा अग्रवाल, कमल अरोड़ा विजेता रहे, जबकि रमनलाल गुप्ता, शैली भाटिया, रानी अग्रवाल व अक्षय अरोड़ा सम्मानित हुए। कार्यक्रम में डॉ. राजीव अग्रवाल, पंकज मित्तल, चेतन प्रजापति, रवि अरोड़ा, मुकेश वर्मा, राजकुमार अरोड़ा, डॉ. लता अग्रवाल, वंदना अग्रवाल, रश्मि शोरावाला व शिप्रा मित्तल सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

युवजन सभा ने परशुराम जयंती पर सार्वजनिक अवकाश की मांग उठाई

यूनिक समय, वृंदावन। समाजवादी युवजन सभा महानगर के अध्यक्ष अंकित वाष्णेय ने परशुराम जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपरा के प्रमुख पूजनीय व्यक्तित्व हैं। उनकी जयंती पूरे देश में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई जाती है। उत्तर प्रदेश में भी इस पर्व का सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व अत्यंत व्यापक है, जिसमें सभी वर्गों के लोग भाग लेते हैं। यह भी उल्लेख किया कि पूर्व में समाजवादी सरकार के दौरान परशुराम जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाता रहा है। संगठन की ओर से मांग की गई है कि इस पावन अवसर पर पुनः प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाए।

उर्वरकों के संतुलित प्रयोग पर किसानों को किया जागरूक

किसानों को उर्वरकों के संतुलित प्रयोग के बारे में जागरूक करते कार्यक्रम के आयोजन कर्ता।

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान के अधीन कृषि विज्ञान केंद्र मथुरा द्वारा गांव कारब, विकास खंड राया में 17 अप्रैल को उर्वरकों के संतुलित प्रयोग विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 50 से अधिक किसानों ने भाग लिया। यह आयोजन कुलपति प्रो. अभिजीत मित्रा एवं निदेशक प्रसार प्रो. संजीव कुमार सिंह के निर्देशन में संपन्न हुआ, जिसकी अध्यक्षता प्रगतिशील कृषक ओमप्रकाश चौधरी ने की। केंद्र प्रभारी डॉ. वाईके शर्मा ने उर्वरकों के संतुलित उपयोग की जानकारी दी। वैज्ञानिक डॉ. बृजमोहन ने पोषण युक्त सब्जी उत्पादन व जैविक खेती पर प्रकाश डाला। मृदा वैज्ञानिक डॉ. रविंद्र कुमार राजपूत ने मिट्टी व जल परीक्षण, समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन, उर्वरकों की दक्षता बढ़ाने और कम लागत में अधिक उत्पादन के उपाय बताए। कार्यक्रम में किसान पवन कुमार, किशन सिंह, पूरन सिंह व लोकेश सहित अन्य प्रतिभागियों ने सक्रिय भागीदारी की।

लखनऊ में एआई सिटी की तैयारी, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी का 2500 करोड़ का स्मार्ट कैंपस

मथुरा में लॉन्च किया अपना एडमीशन व स्कॉलरशिप पोर्टल

2.50 करोड़ रुपये तक की स्कॉलरशिप का लाभ ले सकेंगे छात्र-छात्राएं

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने 23 ग्लोबल टॉप कंपनियों के साथ किया एमओयू

युवाओं को एआई शिक्षा ही नहीं ग्लोबल जॉब्स व स्टार्टअप्स में भी आगे बढ़ने का मिलेगा अवसर

CHANDIGARH UNIVERSITY
2026

यूनिक समय, मथुरा। देश में तेजी से उभरते आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) क्षेत्र के बीच उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पहली एआई सिटी विकसित करने की तैयारी चल रही है। इसी क्रम में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने उन्नाव के एससीआर क्षेत्र में 2500 करोड़ रुपये की लागत से एआई–समर्थित अत्याधुनिक कैंपस स्थापित किया है। यह जानकारी यूनिवर्सिटी के प्रो. वाइस चांसलर डॉ. थिपेंद्र पी. सिंह ने मथुरा में आयोजित प्रेस वार्ता में दी।

इस अवसर पर 'सीयूसीईटी 2026' स्कॉलरशिप व एडमिशन पोर्टल लॉन्च करते हुए 50 करोड़ रुपये तक की स्कॉलरशिप देने की घोषणा की गई। डॉ. थिपेंद्र पी. सिंह ने बताया कि अब तक 2000 से अधिक छात्रों को स्कॉलरशिप मिल चुकी है। उन्होंने बताया कि 'कैम्पस टैंक' पहल, जिसे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट मिनिस्टर नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने लॉन्च किया, के जरिए 1000 से अधिक स्टार्टअप्स को 6 मिलियन डॉलर फंडिंग मिली है। वहीं गवर्नर आनंदीबेन पटेल की 'नारी योजना' महिलाओं को तकनीकी शोध में आगे बढ़ा रही है। यूनिवर्सिटी ने गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम सहित 23 कंपनियों से साझेदारी की है। 2026-27 सत्र में 68 एआई–आधारित प्रोग्राम शुरू किए जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उद्घाटन के बाद यूनिवर्सिटी ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है।

अग्रेन रेशनल्स वृन्दावन के अध्यक्ष बने विपिन अग्रवाल

यूनिक समय, वृंदावन । अग्रेन रेशनल्स वृन्दावन की जनरल मीटिंग में सत्र (2026–27) के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें विपिन अग्रवाल को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। उपाध्यक्ष– पंकज बंसल, सचिव गोपाल अग्रवाल, सह–सचिव नमन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष–लक्ष्मण अग्रवाल को नियुक्त किया गया।

नारी शक्ति वंदन विधानसभा मथुरा-वृंदावन क्षेत्र सम्मेलन

सशक्त नारी, सशक्त भारत का संकल्प

आरसीए गर्ल्स डिग्री कॉलेज में हुए नारी शक्ति वंदन विधानसभा क्षेत्र सम्मेलन के मंच पर पदाधिकारी एवं अतिथि।

नारी शक्ति वंदन के तहत निकाली रैली में भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ता।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। सशक्त नारी, सशक्त भारत के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लागू नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में भारतीय जनता पार्टी मथुरा महानगर ने मथुरा–वृन्दावन विधानसभा क्षेत्र में सम्मेलन का आयोजन किया। मसानी स्थित आरसीए गर्ल्स डिग्री कॉलेज में हुए सम्मेलन का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रपटों के सामने दीप प्रज्वलित कर किया गया।

सम्मेलन की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या अंजू बाला खंडेलवाल ने की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं, जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश महिला आयोग की सदस्य रेणू गौर ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि यह कानून महिलाओं को केवल प्रतिनिधित्व ही नहीं, बल्कि नेतृत्व करने और देश की दिशा तय करने का अवसर भी प्रदान करेगा। उन्होंने महिलाओं से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने, शिक्षा को प्राथमिकता देने तथा समाज के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

मथुरा–वृन्दावन क्षेत्र के विधायक श्रीकांत शर्मा ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक समावेशी बनाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। इससे संसद एवं विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित होगी और नीति निर्माण में उनकी सक्रिय भूमिका बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी से समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर महिला एवं बालिका से जुड़े मुद्दों पर अधिक संवेदनशील निर्णय लिए जा सकेंगे। भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनसमूह का आभार जताया।

कहा कि यह अधिनियम महिलाओं के आत्मसम्मान, अधिकार और स्वाभिमान को नई उंचाई प्रदान करेगा। मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा ने बताया कि सम्मेलन के बाद कॉलेज में एक रैली निकाली गई। जिसको मुख्य अतिथि रेणू गौर, विधायक श्रीकांत शर्मा एवं भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव ने झंडी दिखाकर रवाना किया तथा कार्यक्रम का संचालन भारती वार्ष्णेय ने किया।

इस अवसर पर दीपा अग्रवाल, पूजा चौधरी, ममता भारद्वाज, नीलम गोयल (पार्षद), सुनीता उपाध्याय, कल्पना गर्ग, नीलम पांडे, पूनम वाल्मीकि, परमार वंदना अरोड़ा, भावना रावत, ज्योति चतुर्वेदी, कुंज बिहारी चतुर्वेदी, सुरेंद्र ठाकुर, प्रधान ललित गौतम, मलय राठौर, मनोज ठाकुर, अंकुर अग्रवाल (पार्षद), महानगर मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा, प्रणय पाराशर, अमित पाठक, यज्ञदत्त कौशिक, लोकेश तायल, नितिन चतुर्वेदी, नितिन कौशिक, राजू चौधरी, राजेश माहौर, नरेश शर्मा, बब्बू, धर्मेंद्र चौधरी, राकेश तोमर, मोहन भारद्वाज, कुलदीप पाठक (पार्षद) आदि उपस्थित थे।

डीआरयूसीसी के मेंबर अखिल अग्रवाल ने जंक्शन का किया निरीक्षण

मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करते डीआरयूसीसी के मेंबर अखिल अग्रवाल खांड वाले।

यूनिक समय, मथुरा। आगरा मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री के सदस्य अखिल अग्रवाल खांड वाले ने मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन का_आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्टेशन पर कुछ खामियां पाई गईं, जिनमें निर्धारित शुल्क से अधिक मूल्य पर सामान की बिक्री, साफ–सफाई की कमी तथा पेयजल व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की आवश्यकता प्रमुख रूप से शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सस्ते दामों पर उपलब्ध होने वाले जनता खाना यात्रियों को नहीं मिल रहा है। पानी की बोतल 20 रुपये में बिक्री की जा रही है। इसी तरह से वेंडरों ने प्लेटफार्मों पर अतिक्रमण कर रखा है। इन सभी बिंदुओं को संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में लाया गया। इस पर उन्होंने आवश्यक सुधार कार्य शीघ्र कराने का आश्वासन दिया है।

जनता खाना न मिलने, पानी की बोतल 20 रुपये मिलने की शिकायत

विहिप नेता राजेंद्र प्रसाद का ब्रज आने पर अभिनंदन

विहिप नेता राजेंद्र प्रसाद का अभिनंदन करने के बाद भाजपा आईटी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सतेंद्र मैथिल बेरीवाल आदि।

यूनिक समय, मथुरा। विहिप उत्तर–पूर्व क्षेत्र के क्षेत्र संगठन मंत्री, दीनदयाल धाम फरह के पूर्व निदेशक एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रीय विचार मंच के राष्ट्रीय संरक्षक राजेंद्र प्रसाद के ब्रज आगमन पर स्वागत किया गया। बरेली हाईवे कट पर भाजपा आईटी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सतेंद्र मैथिल बेरीवाल ने पगड़ी पहनाकर व प्रतीक चिन्ह भेंटकर उनका भव्य अभिनंदन किया।

राजेंद्र प्रसाद ने दीनदयाल धाम पहुंचकर महामंडलेश्वर कैलासानंद गिरी महाराज के श्रीमुख से रामकथा श्रवण किया तथा आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में सनातन संस्कृति के संरक्षण, सामाजिक समरसता और संगठन की मजबूती पर विशेष जोर दिया गया। यह आयोजन क्षेत्र में सकारात्मक संदेश देने में सफल रहा। इस अवसर पर राष्ट्रीय क्षत्रिय महासेना के कृष्णकांत, डॉ. शिव नारायण, त्रिलोकी नाथ यादव, राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश सिंह चौहान, विनोद राणा, विष्णु तरकार व अजय राजावत आदि मौजूद थे।

केडी विश्वविद्यालय की छात्राओं ने निकाली नारी शक्ति पदयात्रा

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विचार साझा करते सम्मानित अतिथि तथा अन्य चित्रों में नारी सशक्तीकरण का संदेश देती महिला चिकित्सक, छात्राएं तथा नर्सेज।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को बताया मील का पत्थर

महिला आरक्षण अधिनियम को बताया ऐतिहासिक कदम

यूनिक समय, मथुरा। केडी विश्वविद्यालय में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। महिला सशक्तीकरण के संदेश को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत गुरुवार को छात्राओं और महिला शिक्षकों ने नारी शक्ति पदयात्रा निकाली। इसके साथ ही हस्ताक्षर अभियान और मानव श्रृंखला बनाकर समाज में जागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया।पदयात्रा के बाद आयोजित परिचर्चा में डॉ. विनीता गुप्ता, डॉ. नवप्रीत कौर और डॉ. गगनदीप कौर ने महिला आरक्षण के महत्व पर अपने विचार रखे। डॉ. विनीता गुप्ता ने इसे ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि इससे लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। डॉ. नवप्रीत कौर ने कहा कि यह कानून महिलाओं की नीति–निर्माण में भागीदारी को मजबूत करेगा, जिससे समावेशी विकास को बढ़ावा मिलेगा।

कार्यक्रम में कुलपति डॉ. मनेश लाहौरी, प्रति–कुलपति डॉ. गौरव सिंह, कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल और केडी मेडिकल कॉलेज के डीन एवं प्राचार्य डॉ. आरके अशोका ने भी अपने विचार साझा किए। कुलपति डॉ. मनेश लाहौरी ने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में सशक्त बनाएगा। प्रति–कुलपति डॉ. गौरव सिंह ने महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा को आवश्यक बताया। कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल ने इसे महिला सशक्तीकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया, वहीं डॉ. आरके अशोका ने लैंगिक समानता पर जोर दिया। विश्वविद्यालय ने छात्राओं के सर्वांगीण विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई।

UNICOM ADVERTISING
28
What to do I have job interview and lost my certificates?
Publish Notice of Lost Certificates in any Newspaper is now very easy
Lost
GET FREE CONSULTATION NOW
+91 9837115157
+91 9719769738
unicomadvertising.com

रतनलाल फूल कटोरी देवी स्कूल में छात्राओं का जलवा

परीक्षा परिणाम में शानदार प्रदर्शन करने पर खुशी का इजहार करतीं छात्राएं, साथ में हैं शिक्षिकाएं।

प्रधानाचार्या डॉ. नीता सिंह ने छात्राओं को दी बधाई

यूनिक समय, मथुरा। रतनलाल फूल कटोरी देवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्राओं ने एक बार फिर कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। हर वर्ष की तरह इस बार भी परिणामों में बेटियों का दबदबा साफ दिखाई दिया, जिससे पूरे विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है।

इस वर्ष प्रियाक्षी गुप्ता ने 98.8% अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, राधिका अग्रवाल और माही पाठक ने 96.8% अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से दूसरा स्थान प्राप्त किया। गरिमा सिंह ने 96.2% अंक पाकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं में अपना स्थान बनाया। सभी छात्राओं की इस उपलब्धि ने स्कूल के गौरव को नई उंचाई दी है।

कुल 409 छात्राओं ने परीक्षा में भाग लिया, जिनमें से बड़ी संख्या में छात्राओं ने शानदार सफलता हासिल की। 9 छात्राओं ने 95% से अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि 29 छात्राओं ने 90% से अधिक अंक हासिल किए। इसके अलावा 175 छात्राएं 75% से अधिक अंक लाकर डिस्टिंक्शन में रहीं और 310 छात्राओं ने प्रथम श्रेणी (60% से अधिक) में सफलता प्राप्त की। प्रधानाचार्या डॉ. नीता सिंह ने सभी छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनकी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यालय के सामूहिक प्रयास का प्रतिफल है। इस अवसर पर अभिभावकों ने विद्यालय के अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन की सराहना की तथा सभी शिक्षकों और प्रबंधन का धन्यवाद व्यक्त किया।

रंगोली प्रतियोगिता में कु. योग्यता प्रथम, बच्चों ने बिखेरे सुंदर रंग

रंगोली प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्र और छात्राएं प्रमाण पत्र दिखाते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। मां वैष्णो देवी विद्या मंदिर नरौली में अंजू गौतम के निर्देशन में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 67 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने भारत माता, फूलों और सतरंगी चक्र जैसी आकर्षक रंगोलियां बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

निर्णायक मंडल में डॉ. जमुना शर्मा, डॉ. उमा शर्मा और मालती भार्गव ने सभी रंगोलियों का मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता में कु. योग्यता ने प्रथम, सजल शर्मा ने द्वितीय और शिवांगी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को माला, पटका, सम्मान पत्र, उपहार व खाद्य सामग्री देकर सम्मानित किया गया, जबकि अन्य प्रतिभागियों को भी सम्मान पत्र व खाद्य सामग्री प्रदान की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान परशुराम के चित्र पर मिथिलेश दुबे, पुष्प शर्मा, अनुराधा, सर्वेश, सरोज व बच्चों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। निदेशक विकास गौतम ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। डॉ. जमुना शर्मा व अंजू गौतम ने भगवान परशुराम के आदर्शों पर चलने का संदेश दिया। आयोजन में अथर्व पंडित, सरोज, अर्चना, राखी, अनीता, शुभम व अनुराधा का सहयोग रहा।

पोषक तत्वों से भरपूर फावा बीन्स

सेहत को पहुंचा सकते हैं चौतरफा फायदे

यूनिक समय, मथुरा। क्या आपने कभी फावा बीन्स का सेवन किया है? अगर नहीं, तो आपको इन्हें कंज्यूम करने के कुछ कमाल के हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में जानकारी हासिल कर लेनी चाहिए।

फावा बीन्स जिन्हें ब्रॉड बीन्स या बाकला के नाम भी जाना जाता है, सेहत के लिए वरदान साबित हो सकते हैं। फावा बीन्स में प्रोटीन, फाइबर, मैंगनीज, कॉपर, फोलेट और एंटीऑक्सीडेंट समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। फावा बीन्स को बॉइल कर, भूनकर या फिर पकाकर खाया जा सकता है। फावा बीन्स को सलाद, सब्जी या फिर सूप में मिलाकर कंज्यूम किया जा सकता है। आइए फावा बीन्स के स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानते हैं।

हड्डियों—मांसपेशियों के लिए फायदेमंदः फावा बीन्स में पाए जाने वाले तत्व आपकी हड्डियों और मांसपेशियों के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं। जोड़ों के दर्द की समस्या से बचे रहने के लिए फावा बीन्स का सेवन किया जा सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि फाइबर रिच फावा बीन्स आपकी गट हेल्थ को सुधारकर पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा दिलाने में भी कारगर साबित हो सकते हैं।

आसान बनाए वेट लॉस जर्नी : फावा बीन्स में मौजूद तत्व आपकी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने में मददगार साबित हो सकते हैं। अगर आप अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाकर शरीर में जमा एक्स्ट्रा फैट को बर्न करना चाहते हैं, तो फावा बीन्स को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना सकते हैं। आपको बता दें कि पार्किंसंस रोग से जूझ रहे मरीजों को भी फावा बीन्स का सेवन करने की सलाह दी जाती है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक फावा बीन्स का सेवन कर कोलेस्ट्रॉल की समस्या पर भी काबू पाया जा सकता है यानी फावा बीन्स आपकी हार्ट हेल्थ के लिए भी फायदेमंद साबित हो सकते हैं। हालांकि, बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए सही मात्रा में और सही तरीके से फावा बीन्स को अपने डेली डाइट प्लान में शामिल करना बेहद जरूरी है।

UNICOM ADVERTISING
The Brand comes from Great Ideas
Unicom is the Ad Agency that focuses on your Brand.
We are proud to be Brand builders.
ADVERTISING | BRANDING | DIGITAL MARKETING
GET FREE CONSULTATION NOW
For Outstanding Branding
CALL 9837115157 8273944888
E-MAIL Send Advertisement Details to: informunicom@gmail.com
PAY Online through- PAYTM & UPI 9412727299

घर में बनाएं ऐसी शिकंजी : हर घूंट में ताजगी और ठंडक का अहसास

यूनिक समय, मथुरा। गर्मियों में शिकंजी पीना सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। आइए घर पर ही बाजार जैसी शिकंजी बनाने के बेहद आसान तरीके के बारे में जानकारी हासिल करते हैं।

क्या आपको भी शिकंजी पीना पसंद है? घर पर बनाई जाने वाली शिकंजी का टेस्ट बाजार में मिलने वाली शिकंजी से काफी अलग होता है। अगर आप भी घर पर ही बाजार जैसी शिकंजी के स्वाद का लुत्फ उठाना चाहते हैं, तो आपको इस बार गर्मियों के मौसम में इस रेसिपी को जरूर ट्राई करके देखना चाहिए। महज 12 से 15 मिनट के अंदर आप घर पर आसानी से शिकंजी बना सकते हैं। आइए जानते हैं कैसे...

बनाने की विधि : शिकंजी बनाने के लिए सबसे पहले शिकंजी मसाला बना लीजिए। इसके लिए आपको एक पैन में 3 स्पून जीरा डालकर धीमी आंच पर भून लेना है। अब इसी पैन में 2 स्पून काली मिर्च, 5 इलायची और लगभग एक इंच सूखी अदरक भी एड कर इन्हें भी भून लीजिए। इसके बाद गैस बंद कर इस मिक्सचर के ठंडे हो जाने का इंतजार कीजिए। अब आप इसमें एक स्पून काला नमक और एक स्पून नमक मिक्स कर लीजिए। इसके बाद इस मिक्सचर को अच्छी तरह से पीसकर एक पाउडर बना लीजिए। आप इस शिकंजी मसाले को किसी भी जार में स्टोर करके रख सकते हैं।

शिकंजी बनाने के लिए एक गिलास में बर्फ के कुछ टुकड़े डाल दीजिए। इस गिलास में एक स्पून शिकंजी मसाला, एक स्पून चीनी पाउडर, दो स्पून सब्जा के बीज, एक स्पून नींबू का रस और थोड़ी सी पुदीने की पत्तियां एड कर लीजिए। गिलास में सोडा पानी डालकर सभी चीजों को अच्छी तरह से मिला लीजिए। अब आप इस शिकंजी को पी सकते हैं। यकीन मानिए बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी को इस शिकंजी का टेस्ट काफी ज्यादा पसंद आने वाला है। अगर आपके पास सोडा पानी नहीं है, तो आप नॉर्मल पानी का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। शिकंजी मसाले की वजह से घर पर बनाई शिकंजी का टेस्ट बिल्कुल बाजार में मिलने वाली शिकंजी जैसा हो जाएगा।

गर्मियों में स्किन के लिए मुल्तानी मिट्टी और घरेलू उपाय

यूनिक समय, मथुरा। गर्मियों में स्किन का खास ख्याल रखना बहुत जरूरी है। धूल, धूप और प्रदूषण से चेहरे की त्वचा जल्दी डल और बेजान हो जाती है। ऐसे में मुल्तानी मिट्टी एक प्राकृतिक उपाय साबित हो सकती है, जो न सिर्फ स्किन के तेल को नियंत्रित करती है बल्कि दाग-धब्बों और मुहांसों से भी छुटकारा दिलाती है।

मुल्तानी मिट्टी में ऐसे कई गुण होते हैं जो स्किन के लिए फायदेमंद होते हैं। यह एक बेहतरीन क्लींजर और एक्सफोलिएटर की तरह काम करती है, जो त्वचा से गंदगी और एक्स्ट्रा ऑयल को निकालती है, साथ ही त्वचा को तरोताजा और निखार प्रदान करती है। अगर इसे कुछ खास रसों के साथ मिलाकर इस्तेमाल किया जाए तो इसके फायदे दोगुने हो जाते हैं।

आलू का रस स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह त्वचा को नमी प्रदान करता है और चेहरे के दाग-धब्बों को हल्का करने में मदद करता है।

मुल्तानी मिट्टी के साथ आलू का रस मिलाकर चेहरे पर 15-20 मिनट तक लगाने से त्वचा ग्लोइंग और स्मूद हो जाती है।

स्किन से दाग-धब्बे होंगे दूर

टमाटर का रस स्किन को एक्सफोलिएट करता है और दाग-धब्बों को कम करने में मदद करता है। मुल्तानी मिट्टी के साथ मिलाकर इस मिश्रण को चेहरे पर लगाने से टैनिंग और गंदगी दूर होती है, जिससे त्वचा पर निखार आता है।

नींबू का रस त्वचा की टैनिंग, पिंपल्स और झुर्रियों को कम करने में मदद करता है। मुल्तानी मिट्टी के साथ इसे मिलाकर फेस पैक बनाने से चेहरे पर निखार और चमक आती है। गर्मियों में इन घरेलू उपायों को अपनाकर आप अपनी स्किन को स्वस्थ और निखरा हुआ बना सकते हैं।

सुकून की तलाश है तो अरु घाटी आपका इंतजार कर रही है

यूनिक समय, नई दिल्ली। कश्मीर की वादियां अपने आप में स्वर्ग का अहसास कराती हैं, और उन्हीं वादियों में बसी अरु घाटी एक ऐसा स्थान है जहां जाने के बाद सुकून, शांति और प्रकृति की गोद में कुछ पल बिताने का अनुभव अविस्मरणीय हो जाता है। पहलगाम से करीब 15 किलोमीटर दूर स्थित यह घाटी एक छोटा लेकिन बेहद खूबसूरत गांव है, जिसे स्थानीय लोग "अरु" के नाम से जानते हैं।

अगर आप गर्मियों की तपिश से राहत पाना चाहते हैं, या मानसिक तनाव से कुछ दिन दूर निकलना चाहते हैं, तो अरु वैली की ओर रुख करना आपके लिए बिल्कुल सही रहेगा। यहां बर्फ से ढके पहाड़, बहती नदी, घने जंगल और फूलों से सजी वादियां आपके दिल को छू जाएंगी।

अरु वैली से लगभग 11 किलोमीटर की दूरी पर स्थित तारसर झील समुद्र तल से 11,000 फीट की ऊंचाई पर है। इसे तुलियन लेक के नाम से भी जाना जाता है। झील चारों ओर से बर्फीले पहाड़ों से घिरी हुई है, जिससे इसका सौंदर्य कई गुना बढ़ जाता है। यहां ट्रेकिंग करते हुए पहुंचा जा सकता है और यह यात्रा एक रोमांचक अनुभव बन जाती है। अरु वैली के ट्रेकिंग प्रेमियों के लिए कोलोहोई ग्लेशियर स्वर्ग से कम नहीं। यहां तक पहुंचने के लिए घने चीड़ के जंगलों से होते हुए ट्रेक करना पड़ता है। रास्ते में अद्भुत प्राकृतिक दृश्य देखने को मिलते हैं, और जब आप ग्लेशियर तक पहुंचते हैं, तो बर्फ से ढकी चोटियों और खुले आसमान के नीचे बिताए गए पल आपके दिल में हमेशा के लिए बस जाते हैं। अरु घाटी में बहने वाली अरु नदी घाटी की सुंदरता में चार चांद लगाती है। पहाड़ों के बीच बहती इस नदी को देखकर आत्मिक शांति मिलती है। यह एक बेहतरीन पिकनिक स्पॉट भी है जहां आप मछली पकड़ने जैसी गतिविधियों का आनंद ले सकते हैं।

यहां घुड़सवारी करना भी एक खास अनुभव है। गांव के आसपास के इलाकों में घोड़े की सवारी करते हुए आप घाटी की खूबसूरती को और करीब से महसूस कर सकते हैं। मछली पकड़ने के शौकीनों के लिए यह जगह किसी जन्नत से कम नहीं है। ट्रैकिंग के लिए यहां तारसर लेक और कोलोहोई ग्लेशियर के रास्ते साहसिक पर्यटकों को खूब लुभाते हैं। वहीं फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए यह घाटी किसी खजाने की तरह है।

अरु घाटी हर मौसम में अलग रूप में नजर आती है। सर्दियों में बर्फबारी और स्कीइंग का आनंद लिया जा सकता है। वहीं गर्मियों यानी जुलाई से सितंबर के बीच यहां का मौसम बेहद सुहावना होता है और घाटी फूलों और हरियाली से भर जाती है। यह समय यहां की सुंदरता को देखने और शांत वातावरण का आनंद लेने के लिए सबसे उपयुक्त है। अरु घाटी पहुंचने के लिए कई विकल्प हैं। निकटतम हवाई अड्डा श्रीनगर एयरपोर्ट है, जो अरु वैली से लगभग 102 किलोमीटर दूर स्थित है। एयरपोर्ट से टैक्सी या कैब के माध्यम से आसानी से अरु पहुंचा जा सकता है। रेल मार्ग से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए श्रीनगर रेलवे स्टेशन सबसे नजदीक है, जहां से टैक्सी लेकर घाटी पहुंचा जा सकता है। इसके अलावा, आप अपनी गाड़ी से भी यहां तक पहुंच सकते हैं या पहलगाम से शेयर्ड टैक्सी लेकर अरु वैली जा सकते हैं।

अरु घाटी और आसपास के क्षेत्रों में ठहरने के लिए कई अच्छे होटल, गेस्ट हाउस और रिसॉर्ट्स उपलब्ध हैं। आप बजट के अनुसार अपना विकल्प चुन सकते हैं। कुछ पर्यटक टेंट में रुकने का अनुभव भी लेना पसंद करते हैं, जो एक अलग ही रोमांच देता है।

अरु घाटी उन दुर्लभ स्थानों में से एक है जहां शांति, रोमांच और प्राकृतिक सुंदरता तीनों का संगम होता है। एक बार यहां जाकर आप खुद को प्रकृति के और करीब पाएंगे और यह यात्रा आपके जीवन के सबसे यादगार सफर में से एक बन जाएगी।

सुविचार

छोटे कदम भी बड़ी मंजिल तक पहुंचाते हैं, बस लगातार चलते रहें।

कल का पंचांग

तिथि	प्रतिपदा	05:21-02:10 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	अश्विनी	12:02- 09:42 तक	माह	बैशाख
सूर्योदय		5:55 AM	चन्द्रोदय	06:03 AM
सूर्यास्त		6:41 PM	चंद्रास्त	07:56 PM
सूर्य राशि	मेष राशि		चंद्र	मेष राशि
शुभ मुहूर्त	11:53AM -12:44 PM		ब्रहम् मुहूर्त	04:26-05:14
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	09:07 AM: 10:42 AM		वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

5000 वर्ष
बाद ऐसा लगता है
श्री कृष्ण का
नंद महल घर
27:59

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

भगवान को फूल चढ़ाते समय इन नियमों की न करें अनदेखी

वरना नाराज हो सकते हैं इष्टदेव

यूनिक समय, मथुरा। पूजा के दौरान देवी–देवताओं पर उनके प्रिय पुष्प अर्पित करने से व्यक्ति पर भगवान की कृपा बनी रहती है। फूल अर्पित करने के भी कुछ नियम होते हैं। लेकिन अगर आप इन नियमों की अनदेखी करते हैं, तो आपके इष्टदेव आपसे नाराज हो सकते हैं।

हिंदू धर्म में देवी–देवताओं की पूजा करने से आराध्य देव प्रसन्न होते हैं। इससे जातक के जीवन में सुख–समृद्धि बनी रहती है। हर देवी–देवता का अपना एक प्रिय फूल होता है। ऐसे पूजा के दौरान देवी–देवताओं पर उनके प्रिय पुष्प अर्पित करने से व्यक्ति पर भगवान की कृपा बनी रहती है। लेकिन फूल अर्पित करने के भी कुछ नियम होते हैं। लेकिन अगर आप इन नियमों की अनदेखी करते हैं, तो आपके इष्टदेव आपसे नाराज हो सकते हैं। साथ ही आपको पूजा का विपरीत परिणाम प्राप्त हो सकता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

ऐसे फूल न चढ़ाएं

हमेशा पेड़ पर उगे हुए फूल भगवान को अर्पित करना चाहिए। देवी–देवताओं को कभी भी सूखे, मुरझाए, बासी या फिर कीड़े लगे फूल नहीं अर्पित करने चाहिए। ऐसा करने से आपके आराध्य देव आपसे नाराज हो सकते हैं। साथ ही इससे आपको पूजा का पूरा फल नहीं प्राप्त होगा।

इन बातों का रखें ध्यान

कभी भी फूल सूंघकर देवी–देवताओं को नहीं अर्पित करना चाहिए। सूंघने से फूल अशुद्ध हो जाता है। वहीं जमीन पर गिरा हुआ और पैर से लगा फूल देवी–देवताओं पर नहीं अर्पित करना चाहिए। यदि आप ऐसा फूल भगवान को अर्पित करते हैं, तो आपकी पूजा अधूरी मानी जाती है।

इस समय नहीं तोड़ने चाहिए फूल

देवी–देवताओं को फूल चढ़ाने के लिए कभी भी रात के समय फूल नहीं तोड़ने चाहिए। मान्यता के अनुसार, रात के समय पेड़–पौधे भी सो जाते हैं। वहीं कुछ पेड़–पौधों में भगवान का वास माना जाता है। रात के समय जब पेड़ से फूल तोड़े जाते हैं, तो उनकी नींद खराब होती है। ऐसे में देवी–देवताओं को फूल चढ़ाने से कोई लाभ नहीं मिलता है।

घर में सीढ़ियां बनवाते वक्त रखें विशेष ध्यान

संतान को झेलना पड़ सकता है भारी नुकसान

यूनिक समय, मथुरा। वास्तु शास्त्र में घर के आग्नेय कोण में सीढ़ियां बनवाने के बारे में। घर का आग्नेय कोण, यानि दक्षिण–पूर्व दिशा अग्नि का स्थान होता है,अग्नि का स्थान होने से मंगल देव का भी इस पर समान आधिपत्य है।

यह स्थान घर में रसोई, विद्युत उपकरण आदि के लिए सबसे अच्छा स्थान माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार आग्नेय कोण, ईशान व वायव्य से ऊंचा तथा नैऋत्य से नीचा रहना चाहिए। आग्नेय कोण का किसी भी दिशा में बढ़ना शुभ नहीं होता है। इसे केवल वर्गाकार या आयताकार रूप दिया जा सकता है। इसलिए घर के आग्नेय कोण में सीढ़ियों का निर्माण नहीं करवाना चाहिए। इस कोण में सीढ़ियां बनवाने से संतान के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार दक्षिण, पश्चिम या फिर नैऋत्य दिशा में सीढ़ियां बनवाना अच्छा रहता है, लेकिन ध्यान रहे वास्तु शास्त्र के अनुसार कभी भी सीढ़ियों के लिए उत्तर, पूर्व, आग्नेय या ईशान कोण का चुनाव नहीं करना चाहिए। अगर आप घर या ऑफिस में सीढ़ियों के निर्माण के लिए इनमें से किसी भी दिशा का चुनाव करते हैं तो आपको इसका दुष्परिणाम झेलना पड़ सकता है। आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। इससे आपके घर में धन–सम्पदा में कमी आती है साथ ही घर की सुख–शांति और मान–सम्मान की हानि होती है। इसलिए सीढ़ियां बनवाते समय दिशा का ध्यान जरूर रखें।

घर हो या ऑफिस में सीढ़ियां बनवाते समय सबसे पहले जगह का ही चुनाव किया जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर हो या ऑफिस में सीढ़ियों के लिए दक्षिण, पश्चिम या फिर नैऋत्य दिशा का चुनाव करें।

इन दिशाओं का चुनाव करने से आपके घर में धन–सम्पदा का वास होता है और आर्थिक स्थिति अच्छी रहती है।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

कल का दिन पूर्णिमा के प्रभाव से मानसिक ऊर्जा और आत्मविश्वास में वृद्धि का संकेत दे रहा है। यह दिन अधिकांश राशियों के लिए कर्म, धैर्य और संतुलन बनाए रखने का है, जहां मेहनत का फल धीरे–धीरे मिलने की संभावना है।

मेष राशि के जातकों के लिए आज का दिन बेहद महत्वपूर्ण है। आत्मविश्वास बढ़ेगा और कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं।

वृषभ राशि के लोगों को कल धैर्य से काम लेना होगा। कार्यक्षेत्र में अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है, लेकिन भविष्य में इसके अच्छे परिणाम मिलेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना जरूरी है।

मिथुन राशि के जातकों के लिए दिन रचनात्मकता और नए अवसर लेकर आएगा, जहां उनकी संवाद क्षमता उन्हें सफलता दिलाएगी।

कर्क राशि के लोगों को भावनात्मक संतुलन बनाए रखने की जरूरत होगी। कार्यस्थल पर चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन समझदारी से समाधान संभव है।

सिंह राशि के जातकों के लिए दिन आत्मविश्वास और सफलता से भरा रहेगा, उन्हें कार्यक्षेत्र में सराहना मिल सकती है।

कन्या राशि के लिए दिन व्यस्तता भरा रहेगा, लेकिन मेहनत रंग लाएगी।

तुला राशि के लोगों को सहयोग और सामंजस्य का लाभ मिलेगा, जिससे काम समय पर पूरे होंगे।

वृश्चिक राशि को नई जिम्मेदारियों के साथ सावधानी बरतनी होगी।

धनु राशि के लिए भाग्य का साथ रहेगा, जिससे करियर और आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।

मकर राशि के जातकों को अनुशासन और सोच–समझकर निर्णय लेने की आवश्यकता है।

कुंभ राशि के लिए नए अवसर और संपर्क लाभकारी साबित होंगे।

मीन राशि के लोगों के लिए दिन आध्यात्मिक और भावनात्मक रूप से संतुलित रहेगा, जहां धीरे–धीरे सफलता के संकेत मिलेंगे।

खीर चुराते नन्हे गोपाल ने गर्गाचार्य को दिखाया दिव्य रूप

यूनिक समय, मथुरा। भक्ति और बाल–लीला से जुड़ी एक अद्भुत कथा इन दिनों श्रद्धालुओं के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। यह प्रसंग नन्हे बालक के रूप में भगवान की लीला, उनकी शरारत और अंततः दिव्यता के प्रकट होने का अनोखा संगम प्रस्तुत करता है।

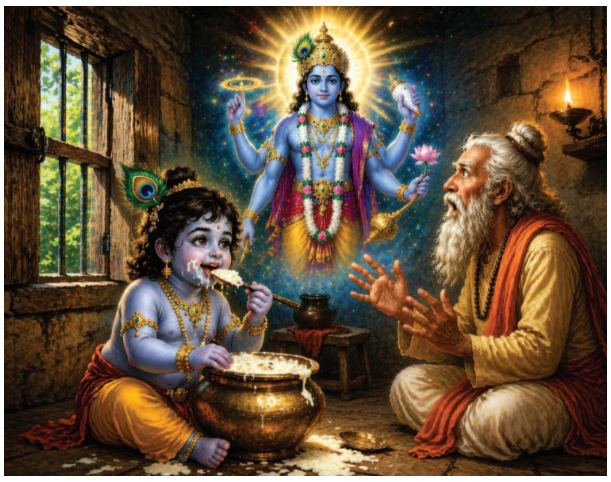

कहानी के अनुसार, ठाकुर जी बाल स्वरूप में एक दिन गर्गाचार्य जी के आश्रम के पास खड़े होकर उनकी बनाई जा रही खीर को लालच भरी नजरों से देख रहे थे। आंखों में आंसू, होठों पर गुस्सा और मन में शरारत–ठाकुर जी जंगले (खिड़की) पर चढ़कर अंदर झांक रहे थे। दूसरी ओर गर्गाचार्य जी भी उस नन्हे बालक को देख रहे थे और मन ही मन मुस्कुरा रहे थे। उन्होंने ठिठोली करते हुए कहा–"अरे शैतान बालक, अब खाकर दिखाओ मेरी खीर!"

गर्गाचार्य जी ने जानबूझकर स्वादिष्ट खीर बनानी शुरू की और उसे दिखा–दिखाकर ठाकुर जी को ललचाने लगे। उधर, ठाकुर जी के मुंह में पानी आ रहा था और उनका मन खीर खाने को बेचैन हो उठा। आखिरकार मौका देखकर ठाकुर जी धीरे–धीरे नीचे उतरे, किवाड़ खोले और घुटनों के बल चलते हुए खीर के पास पहुंच गए।

गुस्से और लालच के मिश्रण के साथ उन्होंने खीर का पात्र उठाया और खाने लगे। तभी खीर खाने की "चप–चप" की आवाज सुनकर गर्गाचार्य जी सतर्क हो गए। उन्हें लगा कि वही शरारती बालक फिर आ गया है। इस बार उन्होंने उसे पकड़ने का निश्चय किया और तुरंत कपड़ा हटाकर पकड़ने के लिए हाथ बढ़ाया। लेकिन जैसे ही उन्होंने सामने देखा, उनका हृदय स्तब्ध रह गया। नन्हे बालक के स्थान पर स्वयं भगवान का चतुर्भुज रूप प्रकट हो चुका था। हाथों में शंख, चक्र, गदा और पद्म धारण किए भगवान के दिव्य दर्शन पाकर गर्गाचार्य जी भावविभोर हो गए। वे तुरंत भूमि पर गिर पड़े और साष्टांग दंडवत करते हुए क्षमा याचना करने लगे। उन्होंने विनम्र स्वर में कहा–"हे प्रभु, मुझे क्षमा करें, मैं आपके स्वरूप को पहचान नहीं पाया।" इस पर ठाकुर जी ने मुस्कुराते हुए कहा–"अब ज्यादा दंडवत मत करो, बैठ जाओ। दो बार तो तुमने मेरी शिकायत मैया से भी कर दी!" यह कथा केवल एक बाल–लीला नहीं, बल्कि यह संदेश देती है कि भगवान अपने भक्तों के साथ सरल और स्नेहमय संबंध रखते हैं। कभी शरारती बालक बनकर, तो कभी परमात्मा के विराट रूप में–वे हर रूप में अपने भक्तों को दर्शन देते हैं।

व्रत–त्योहार का कैलेंडर 2026

- 17 अप्रैल: वैशाख अमावस्या
- 19 अप्रैल: अक्षय तृतीया
- 20 अप्रैल: संकर्षण चतुर्थी
- 27 अप्रैल: मोहिनी एकादशी
- 28 अप्रैल: भौम प्रदोष व्रत
- 1 मई : वैशाख पूर्णिमा
- 5 मई: एकदन्त संकष्टी
- 13 मई: अपरा एकादशी
- 14 मई: गुरु प्रदोष व्रत
- 15 मई: ज्येष्ठ मासिक शिवरात्र
- 16 मई : ज्येष्ठ शनि अमावस्या
- 20 मई : वरद चतुर्थी
- 27 मई: पद्मिनी एकादशी
- 28 मई: गुरु प्रदोष व्रत
- 30 मई: ज्येष्ठ अधिक पूर्णिमा

सम्पादकीय

एक अच्छा नाम बनाता है मजबूत व्यक्तित्व आधार

भारतीय समाज में नाम केवल एक औपचारिक पहचान नहीं, बल्कि व्यक्ति के व्यक्तित्व, संस्कृति और आत्मसम्मान का आधार होता है। किसी बच्चे का नाम उसके जीवन का पहला परिचय बनता है–स्कूल की उपस्थिति से लेकर सामाजिक संबंधों तक, हर जगह वही उसकी पहचान गढ़ता है। ऐसे में यदि नाम सकारात्मक अर्थ और सम्मानजनक ध्वनि लिए हो, तो यह बच्चे के आत्मविश्वास को मजबूत करता है; लेकिन यदि नाम उपहास या नकारात्मक अर्थ से जुड़ा हो, तो यही पहचान बोझ बन सकती है।

पवन गौतम
संपादक

हाल के वर्षों में यह देखा गया है कि कई बच्चों को उनके नाम के कारण स्कूल और समाज में असहज स्थितियों का सामना करना पड़ता है। साथी छात्रों के बीच मजाक, तंज या उपहास उनके आत्मविश्वास को भीतर ही भीतर कमजोर कर सकता है। बचपन में पड़ी यह चोट कई बार व्यक्तित्व विकास को प्रभावित करती है और बच्चा खुद को लेकर संकोची या असुरक्षित महसूस करने लगता है। ऐसे में नामकरण की संवेदनशीलता को समझना बेहद जरूरी हो जाता है। इसी संदर्भ में राजस्थान सरकार की पहल एक सकारात्मक और दूरदर्शी कदम के रूप में देखी जा सकती है। स्कूल रिकॉर्ड में ऐसे नामों को बदलने की सुविधा देना, जिनका अर्थ अनुपयुक्त या उपहासजनक हो सकता है, बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास के प्रति गंभीरता को दर्शाता है। यह कदम न केवल बच्चों को संभावित शर्मिंदगी से बचा सकता है, बल्कि उन्हें अपनी पहचान के साथ गर्व से जुड़ने का अवसर भी देता है।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

हालांकि, यह पहल जितनी सराहनीय है, उतनी ही सावधानी की भी मांग करती है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में एक ही नाम का अर्थ अलग–अलग भाषाओं और संस्कृतियों में भिन्न हो सकता है। इसलिए यह तय करना कि कौन–सा नाम उचित है और कौन–सा नहीं, एक जटिल प्रक्रिया बन जाती है। इसके लिए विशेषज्ञों की राय, सांस्कृतिक समझ और अभिभावकों की जागरूकता जरूरी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि नाम बदलने की प्रक्रिया पूरी तरह स्वैच्छिक होनी चाहिए। माता–पिता की भावनाएं और अधिकार इस निर्णय में सर्वोपरि होने चाहिए। सरकार की भूमिका मार्गदर्शन और विकल्प देने तक सीमित रहे, न कि किसी प्रकार का दबाव बनाने तक। अंततः, यह पहल एक बड़े सामाजिक संदेश की ओर इशारा करती है–नाम केवल शब्द नहीं, बल्कि सम्मान और आत्मविश्वास की नींव है। यदि समाज इस बात को समझे और नामकरण को गंभीरता से ले, तो आने वाली पीढ़ी अधिक आत्मविश्वासी, सहज और मजबूत बन सकती है।

नजरिया

संसदीय परंपरा का नया अध्याय

लगातार तीसरी बार उपसभापति बने हरिवंश नारायण सिंह

बोध प्रकाश सगुणी

भारतीय संसदीय लोकतंत्र में 17 अप्रैल 2026 का दिन एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बनकर दर्ज हो गया, जब वरिष्ठ पत्रकार से राजनेता बने हरिवंश नारायण सिंह को लगातार तीसरी बार राज्यसभा का उपसभापति निर्विरोध चुना गया। यह केवल एक संवैधानिक पद पर पुनर्नियुक्ति भर नहीं है, बल्कि संसद की कार्यप्रणाली, राजनीतिक सहमति और विपक्ष की भूमिका पर एक व्यापक विमर्श का अवसर भी प्रस्तुत करता है।

रिवंश का निर्विरोध चुना जाना इस बात का संकेत माना जा सकता है कि सदन के भीतर उनकी कार्यशैली, निष्पक्षता और संचालन क्षमता को व्यापक स्वीकृति प्राप्त है। सामान्यतः संसद के उच्च सदन में इस तरह के पदों के लिए चुनावी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलती है, लेकिन इस बार विपक्ष द्वारा उम्मीदवार न उतारने के कारण यह प्रक्रिया निर्विरोध संपन्न हुई। यह एक ओर जहां हरिवंश के प्रति विश्वास को दर्शाता है, वहीं दूसरी ओर विपक्ष के बहिष्कार के निर्णय के कारण लोकतांत्रिक संवाद की स्थिति पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

हरिवंश का राजनीतिक और बौद्धिक सफर काफी समृद्ध रहा है। एक पत्रकार के रूप में उन्होंने जनसरोकारों को प्रमुखता दी और बाद में राजनीति में प्रवेश कर संसदीय मर्यादाओं के पालन पर जोर दिया। राज्यसभा के उपसभापति के रूप में उनके पिछले दो कार्यकाल अपेक्षाकृत शांत और संतुलित माने जाते हैं। उन्होंने सदन में बहस को दिशा देने और विभिन्न दलों के बीच संवाद स्थापित करने की दिशा में प्रयास किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उन्हें दी गई बधाई और पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की जयंती के साथ इस दिन का संयोग उल्लेखनीय है। चंद्रशेखर के साथ हरिवंश के संबंधों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने इसे एक विशेष क्षण बताया। यह राजनीतिक और व्यक्तिगत संबंधों की उस परंपरा की याद दिलाता है, जहां वैचारिक मतभेदों के बावजूद व्यक्तिगत सम्मान और संवाद की भावना बनी रहती थी।

हालांकि इस पूरी प्रक्रिया का एक दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विपक्ष ने इस चुनाव का बहिष्कार किया, जिसका मुख्य कारण लोकसभा में पिछले सात वर्षों से उपाध्यक्ष की नियुक्ति न होना बताया गया। विपक्ष का तर्क है कि यह संसदीय परंपराओं का उल्लंघन है और सरकार ने इस मुद्दे पर गंभीरता नहीं दिखाई है।

यह स्थिति भारतीय लोकतंत्र के लिए एक चुनौतीपूर्ण संकेत देती है। संसद केवल कानून बनाने का मंच नहीं है, बल्कि यह विभिन्न विचारों, मतभेदों और सहमति के बीच संतुलन बनाने का भी स्थान है। यदि विपक्ष खुद को प्रक्रिया से अलग कर लेता है, तो यह लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर कर सकता है। वहीं सरकार की यह जिम्मेदारी भी बनती है कि वह विपक्ष को विश्वास में लेकर महत्वपूर्ण संवैधानिक पदों पर नियुक्तियों की प्रक्रिया को आगे बढ़ाए।

हरिवंश की तीसरी पारी ऐसे समय में शुरू हो रही है, जब संसद में बहस की गुणवत्ता और समय दोनों पर सवाल उठते रहे हैं। कई बार यह देखा गया है कि महत्वपूर्ण विधेयक बिना पर्याप्त चर्चा के पारित हो जाते हैं या फिर सदन में हंगामे के कारण कार्यवाही बाधित होती है। ऐसे में उपसभापति की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि उन्हें सदन को सुचारू रूप से चलाने और सभी पक्षों को अपनी बात रखने का अवसर देने की जिम्मेदारी निभानी होती है।

कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने उम्मीद जताई है कि "हरिवंश 3.0" पहले की तुलना में अधिक संवादात्मक और जवाबदेह होंगे। यह उम्मीद केवल विपक्ष की नहीं, बल्कि लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले हर नागरिक की है। संसद की गरिमा और प्रभावशीलता इस बात पर निर्भर करती है कि वहां किस तरह का संवाद और बहस होती है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि हरिवंश को हाल ही में राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया था। विपक्ष ने इस पर भी सवाल उठाए हैं कि क्या किसी मनोनीत सदस्य को उपसभापति जैसे महत्वपूर्ण पद के लिए चुना जाना परंपराओं के अनुरूप है। हालांकि संविधान में इस पर कोई स्पष्ट रोक नहीं है, लेकिन परंपराएं और व्यवहारिक राजनीति भी लोकतांत्रिक संस्थाओं के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

इस पूरे घटनाक्रम से यह स्पष्ट होता है कि भारतीय संसद एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां परंपराओं और व्यवहार के बीच संतुलन साधना जरूरी हो गया है। एक ओर सरकार की मजबूती है, तो दूसरी ओर विपक्ष की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यदि दोनों के बीच संवाद और विश्वास की कमी होती है, तो इसका असर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर पड़ता है।

हरिवंश के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती यही होगी कि वे सदन के सभी पक्षों का विश्वास बनाए रखें और संसद को एक प्रभावी, संवादात्मक और उत्तरदायी मंच के रूप में स्थापित करें। उनकी निष्पक्षता और अनुभव इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अंततः, यह कहना उचित होगा कि हरिवंश का तीसरी बार उपसभापति चुना जाना एक उपलब्धि तो है, लेकिन इसके साथ ही यह एक बड़ी जिम्मेदारी भी लेकर आता है। यह केवल एक व्यक्ति की जीत नहीं, बल्कि भारतीय संसदीय लोकतंत्र की परिपक्वता की परीक्षा भी है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह नया अध्याय संसद की कार्यप्रणाली और लोकतांत्रिक संवाद को किस दिशा में ले जाता है।

विचार विण्डो

तेल, ताकत और भविष्य : बदलती ऊर्जा राजनीति का वैश्विक खेल

राम प्रकाश अग्रवाल

आज की वैश्विक व्यवस्था में ऊर्जा केवल आर्थिक संसाधन नहीं रह गई है, बल्कि यह शक्ति, कूटनीति और रणनीतिक नियंत्रण का सबसे महत्वपूर्ण साधन बन चुकी है। तेल और गैस जैसे पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोत अब सिर्फ उद्योगों को चलाने का माध्यम नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों और शक्ति संतुलन को निर्धारित करने वाले प्रमुख तत्व बन गए हैं। इसी संदर्भ में वैश्विक ऊर्जा राजनीति को समझना आवश्यक हो जाता है, जहां महाशक्तियां अपने हितों को साधने के लिए ऊर्जा संसाधनों का उपयोग एक प्रभावी हथियार के रूप में करती हैं।

अमेरिका की ऊर्जा नीति, विशेष रूप से डॉनल्ड ट्रंप के दौर में, इस सोच का स्पष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है। ट्रंप प्रशासन ने बार–बार यह संकेत दिया कि तेल केवल व्यापार का विषय नहीं, बल्कि नियंत्रण और प्रभाव का माध्यम है। "ईरान का तेल लेने" जैसे बयान केवल आर्थिक हितों की बात नहीं करते, बल्कि यह दर्शाते हैं कि अमेरिका वैश्विक ऊर्जा प्रवाह को अपने प्रभाव में रखना चाहता है। इसका सीधा अर्थ यह है कि कौन–सा देश कितना तेल उत्पादन करेगा, किसे निर्यात करेगा और किस कीमत पर बेचेगा–इन सभी पहलुओं पर नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश जारी है। यही कारण है कि ईरान और वेनेजुएला जैसे तेल समृद्ध देशों पर लगातार आर्थिक और राजनीतिक दबाव डाला जाता रहा है। प्रतिबंधों और कूटनीतिक अलगाव के माध्यम से इन देशों की स्वतंत्र ऊर्जा नीतियों को सीमित करने का प्रयास किया जाता है, ताकि वे अमेरिकी प्रभाव के दायरे में बने रहें। यह रणनीति केवल दो देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यापक रूप से उस वैश्विक व्यवस्था को बनाए रखने की कोशिश है, जिसमें अमेरिका प्रमुख भूमिका निभाता है। हालांकि, दुनिया अब एक बड़े ऊर्जा परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों की ओर तेजी से बढ़ता झुकाव इस बात का संकेत है कि पारंपरिक ऊर्जा का वर्चस्व धीरे–धीरे चुनौती के घेरे में आ रहा है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, स्वच्छ ऊर्जा में निवेश अब जीवाश्म ईंधनों से आगे निकल चुका है। सौर, पवन और जल ऊर्जा जैसे स्त्रोत न केवल पर्यावरण के अनुकूल हैं, बल्कि आर्थिक रूप से भी अधिक व्यवहारिक साबित हो रहे हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों का बढ़ता उपयोग इस परिवर्तन का एक और महत्वपूर्ण संकेत है। जब दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं पेट्रोल और डीजल पर निर्भरता कम करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं, तब तेल आधारित राजनीति की प्रासंगिकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। हालांकि, यह परिवर्तन एकदम से नहीं होगा। तेल और गैस अभी भी वैश्विक ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा बने हुए हैं, और यही कारण है कि इन पर नियंत्रण की होड़ जारी है।

OIL
OIL
OIL
OIL
OIL

ऊर्जा राजनीति का एक महत्वपूर्ण पहलू समुद्री मार्गों और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर नियंत्रण भी है। होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे रणनीतिक मार्गों से दुनिया का बड़ा हिस्सा तेल गुजरता है। यहां किसी भी प्रकार का तनाव वैश्विक बाजारों को तुरंत प्रभावित करता है। ऐसे में इन मार्गों पर प्रभाव बनाए रखना भी महाशक्तियों की प्राथमिकता में शामिल है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता तनाव इसी व्यापक रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का हिस्सा है। लेकिन इस पूरी रणनीति का एक विरोधाभासी पहलू भी सामने आता है। जब भी तेल आपूर्ति को लेकर अनिश्चितता बढ़ती है, देश वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों की ओर तेजी से बढ़ने लगते हैं। यानी, जिस नीति के माध्यम से तेल की अहमियत बनाए रखने की कोशिश की जाती है, वही नीति लंबे समय में तेल पर निर्भरता कम करने का कारण बन सकती है। यह एक ऐसा चक्र है, जो पारंपरिक ऊर्जा व्यवस्था को धीरे–धीरे कमजोर कर रहा है। भारत इस बदलते परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण लेकिन चुनौतीपूर्ण स्थिति में खड़ा है। देश अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात के माध्यम से पूरा करता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उतार–चढ़ाव का सीधा असर उसकी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। महंगाई, व्यापार संतुलन और विकास दर–सभी पर इसका प्रभाव देखा जा सकता है। इसके बावजूद, भारत ने भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश ने उल्लेखनीय प्रगति की है और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए कई नीतिगत पहल की हैं। भारत का लक्ष्य न केवल ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है, बल्कि पर्यावरणीय स्थिरता को भी बनाए रखना है। यही कारण है कि देश एक संतुलित ऊर्जा नीति अपनाने की दिशा में प्रयासरत है।

भू–राजनीतिक स्तर पर भी भारत को सावधानीपूर्वक संतुलन बनाना पड़ता है। अमेरिका, रूस और मध्य–पूर्व के देशों के साथ संबंध बनाए रखना उसकी रणनीतिक आवश्यकता है। ऐसे में किसी एक पक्ष की ओर झुकाव न केवल आर्थिक, बल्कि कूटनीतिक चुनौतियां भी पैदा कर सकता है। ट्रंप जैसी नीतियां इस संतुलन को और जटिल बना देती हैं, क्योंकि वे वैश्विक ऊर्जा बाजार को एकतरफा दिशा में प्रभावित करने की कोशिश करती हैं। वैश्विक स्तर पर चीन का उभरता प्रभाव भी इस परिदृश्य को बदल रहा है। हरित तकनीकों में निवेश और उत्पादन क्षमता के माध्यम से चीन ने ऊर्जा क्षेत्र में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। यह स्थिति अमेरिका के लिए एक नई चुनौती प्रस्तुत करती है, जो पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों के माध्यम से अपनी शक्ति बनाए रखने की कोशिश कर रहा है।

स्पष्ट है कि आज दुनिया दो रास्तों के बीच खड़ी है। एक रास्ता पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों–तेल और गैस–पर आधारित है, जबकि दूसरा रास्ता स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा की ओर जाता है। यह केवल तकनीकी बदलाव नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन का पुनर्गठन भी है।

अंततः, यह कहना उचित होगा कि "तेल की वापसी" वास्तव में एक भ्रम है। यह एक ऐसी कोशिश है, जो पुरानी व्यवस्था को बनाए रखने के लिए की जा रही है, जबकि वास्तविकता यह है कि दुनिया धीरे–धीरे लेकिन निश्चित रूप से नए ऊर्जा युग की ओर बढ़ रही है। भारत जैसे देशों के लिए यह समय अवसर और चुनौती दोनों लेकर आया है। यदि सही नीतियां और दूरदर्शिता अपनाई जाए, तो यह बदलाव भारत को वैश्विक ऊर्जा मानचित्र पर एक मजबूत और निर्णायक स्थान दिला सकता है।

टी 20 वर्ल्ड कप 2026 : मैच फिक्सिंग के आरोपों पर आईसीसी की जांच शुरू

यूनिक समय, नई दिल्ली। 20 वर्ल्ड कप 2026, जिसकी मेजबानी भारत और श्रीलंका ने संयुक्त रूप से की थी, अब एक नए विवाद में घिरता नजर आ रहा है। इस टूर्नामेंट के समाप्त होने के एक महीने बाद मैच फिक्सिंग की आशंका सामने आई है, जिसके बाद आईसीसी की एंटी–करप्शन यूनिट (एसीयू) ने जांच शुरू कर दी है।

यह मामला कनाडा और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए 31वें मैच से जुड़ा हुआ है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कनाडा के कप्तान दिलप्रीत बाजवा द्वारा फेंका गया एक ओवर संदेह के घेरे में है। उस ओवर में उन्होंने नो–बॉल और वाइड गेंद डाली, साथ ही कुल 15 रन खर्च किए। हालांकि इससे पहले भी कनाडा के अन्य गेंदबाज महंगे ओवर डाल चुके थे, लेकिन जांच एजेंसियों की नजर खास तौर पर इसी ओवर पर टिकी हुई है। इस पूरे मामले की शुरुआत कनाडा के सरकारी चैनल सीबीसी द्वारा जारी एक डॉक्यूमेंट्री के बाद हुई।

इस डॉक्यूमेंट्री में कनाडा क्रिकेट में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इसमें दावा किया गया है कि खिलाड़ियों के चयन में दबाव डाला गया और कुछ संदिग्ध गतिविधियां भी सामने आईं। इसके अलावा, एक पुरानी टेलीफोन रिकॉर्डिंग भी जांच के दायरे में है, जिसमें पूर्व कोच खुर्रम चोहान ने आरोप लगाया था कि बोर्ड के कुछ वरिष्ठ सदस्य विशेष खिलाड़ियों को टीम में शामिल कराने के लिए दबाव बना रहे थे। अब आईसीसी की एंटी–करप्शन यूनिट इन सभी आरोपों की गहन जांच कर रही है। यदि ये आरोप सही साबित होते हैं, तो यह क्रिकेट जगत के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकता है।

धीमी गेंद बनी मुसीबत या टीम का साथ नहीं?

विकेट लेने के लिए संघर्ष कर रहे बुमराह

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में जसप्रीत बुमराह का प्रदर्शन उम्मीदों के बिल्कुल विपरीत रहा है। दुनिया के बेहतरीन तेज गेंदबाजों में गिने जाने वाले बुमराह इस सीजन विकेट लेने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जिससे मुम्बई इंडियंस की मुश्किलें भी बढ़ गई हैं।

इस सीजन में बुमराह ने अब तक पांच मैचों में 19 ओवर गेंदबाजी की है और 164 रन खर्च किए हैं, लेकिन उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला। यह आंकड़ा न सिर्फ उनके स्तर के खिलाड़ी के लिए चौंकाने वाला है, बल्कि टीम के लगातार खराब प्रदर्शन का भी एक बड़ा कारण माना जा रहा है। उनकी गेंदों पर बल्लेबाज अब खुलकर रन बना रहे हैं, जो पहले कम ही देखने को मिलता था। पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने बुमराह की गेंदबाजी का विश्लेषण करते हुए एक अहम कारण बताया। उनके अनुसार, बुमराह इस सीजन में जरूरत से ज्यादा धीमी गेंदों का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बुमराह लगभग 44% गेंदें स्लोअर वन डाल रहे हैं, जिससे बल्लेबाज आसानी से उनकी रणनीति को पढ़ पा रहे हैं। पठान का मानना है कि अगर बुमराह अपनी गति बढ़ाएं और अधिक तेज गेंदों का इस्तेमाल करें, तो उन्हें बेहतर परिणाम मिल सकते हैं। वहीं, पूर्व क्रिकेटर आकाश चौपड़ा का नजरिया थोड़ा अलग है। उनका कहना है कि बुमराह की गेंदबाजी में कोई बड़ी कमी नहीं है। असल समस्या टीम के अन्य गेंदबाजों की है, जो ज्यादा रन दे रहे हैं। ऐसे में विपक्षी बल्लेबाज बुमराह के खिलाफ जोखिम नहीं लेते और सुरक्षित खेलते हैं, जिससे उन्हें विकेट लेने के मौके कम मिलते हैं।

'भूत बंगला' रिव्यू : हंसी का भरपूर डोज, लेकिन डर गायब

यूनिक समय, नई दिल्ली। भूत बंगला में अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी एक बार फिर साथ आई है, जिससे दर्शकों की उम्मीदें काफी बढ़ गई थीं। फिल्म में कॉमेडी का तड़का तो भरपूर है, लेकिन हॉरर के मामले में यह कमजोर साबित होती है।

कहानी मंगलपुर नाम के एक गांव और एक रहस्यमयी महल के इर्द–गिर्द घूमती है, जहां एक राक्षस की लोककथा जुड़ी हुई है। फिल्म का पहला भाग हल्की–फुल्की कॉमेडी, मजेदार संवादों और नॉस्टैल्जिया से भरा हुआ है। यह हिस्सा दर्शकों को खूब हंसाता है और भूलभुलैया जैसी पुरानी फिल्मों की याद दिलाता है। हालांकि, जैसे–जैसे फिल्म आगे बढ़ती है, कहानी कमजोर पड़ने लगती है। दूसरा भाग खिंचा हुआ और प्रेडिक्टेबल लगता है। फिल्म यह तय नहीं कर पाती कि उसे हॉरर बनना है या कॉमेडी, जिससे इसका असर कम हो जाता है।

अभिनय की बात करें तो अक्षय कुमार अपनी कॉमिक टाइमिंग से प्रभावित करते हैं, लेकिन कुछ जगहों पर उनका अभिनय दोहराव भरा लगता है। वहीं परेश रावल, राजपाल यादव और असरानी की तिकड़ी फिल्म की सबसे बड़ी ताकत है, जो हर सीन में हंसी लेकर आती है।

महिला कलाकारों में मिथिला पालकर ने अच्छा काम किया है, लेकिन तब्बू जैसी शानदार अभिनेत्री को फिल्म में सही उपयोग नहीं मिला। तकनीकी रूप से फिल्म ठीक–ठाक है, लेकिन बैकग्राउंड स्कोर और वीएफएक्स खास असर नहीं छोड़ते। खासकर हॉरर फील पूरी तरह गायब रहती है। कुल मिलाकर, 'भूत बंगला' एक हल्की–फुल्की एंटरटेनमेंट फिल्म है, जो हंसाती ज्यादा है और डराती कम। अगर आप लॉजिक को साइड में रखकर कॉमेडी एंजॉय करना चाहते हैं, तो यह फिल्म एक बार देखी जा सकती है।

परेश रावल, राजपाल यादव और असरानी की तिकड़ी फिल्म की सबसे बड़ी ताकत

एक घंटा 41 मिनट की दमदार मर्डर मिस्ट्री, अंत तक बांधे रखेगी सस्पेंस

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप सस्पेंस और थ्रिलर फिल्मों के शौकीन हैं, तो एवरीबॉडी लव्स सोहराब हांडा आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकती है। यह फिल्म अपनी दिलचस्प कहानी और डार्क ह्यूमर के कारण तेजी से चर्चा में है।

कहानी सोहराब हांडा नाम के शख्स के इर्द–गिर्द घूमती है, जो अपनी ईमानदारी के बावजूद अपने व्यवहार के कारण लोगों को पसंद नहीं आता। असली मोड़ तब आता है जब एक हाई–प्रोफाइल पार्टी में उसकी रहस्यमयी हत्या हो जाती है। इसके बाद पार्टी में मौजूद हर शख्स शक के घेरे में आ जाता है और यहीं से शुरू होता है सस्पेंस का असली खेल।

इस फिल्म का निर्देशन रजत कपूर ने किया है, जिन्होंने मर्डर मिस्ट्री में डार्क ह्यूमर का शानदार मिश्रण पेश किया है। फिल्म की खासियत इसका टाइट स्क्रीनप्ले और तेज रफ्तार है, जो दर्शकों को अंत तक बांधे रखती है। महज 1 घंटा 41 मिनट की यह फिल्म एक परफेक्ट वन–टाइम वॉच है। इसे आईएमडीबी पर 7.2/10 की रेटिंग मिली है।

'सड़िया ए जान' में पवन सिंह–खुशी तिवारी का रोमांस, गाने ने मचाई धूम

यूनिक समय, नई दिल्ली। भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार पवन सिंह एक बार फिर अपने नए गाने को लेकर चर्चा में हैं। उनका लेटेस्ट गाना सड़िया ए जान रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। इस गाने में उनके साथ अभिनेत्री खुशी तिवारी नजर आ रही हैं और दोनों की शानदार केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद आ रही है।

गाने में खुशी तिवारी अपने लिए नई–नई साड़ियों की डिमांड करती दिखाई देती हैं, जबकि पवन सिंह उनके इस अंदाज पर फिदा नजर आते हैं। दोनों के बीच रोमांटिक केमिस्ट्री और हल्की–फुल्की नोकझोंक गाने को और भी दिलचस्प बनाती है। वीडियो में रंगीन सेट और पारंपरिक लुक दर्शकों को आकर्षित कर रहा है। इस गाने को पवन सिंह ने सिंगर खुशी कक्कड़ के साथ मिलकर गाया है। इसके बोल आशुतोष तिवारी ने लिखे हैं, जबकि संगीत प्रियांशु सिंह ने दिया है। गाने का म्यूजिक काफी कैची और वाइब देने वाला है, जो सुनने वालों को झूमने पर मजबूर कर देता है।

रिलीज के कुछ ही समय में इस गाने को यूट्यूब पर लाखों व्यूज मिल चुके हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो पवन सिंह हाल ही में पैन–इंडिया फिल्म डाकू: एक प्रेम कहानी" या "डकैतः एक प्रेम कथा में भी नजर आए थे। इस फिल्म के गाने 'टच बेबी' में उनकी परफॉर्मेंस को दर्शकों ने काफी पसंद किया। भोजपुरी के बाद अब वे दूसरे फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी पहचान बना रहे हैं।

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से अंजू जाधव का विदाई पोस्ट वायरल

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीवी के पॉपुलर शो ये रिश्ता क्या कहलाता है को अभिनेत्री अंजू जाधव ने अलविदा कह दिया है। शो में 'मेहर' का किरदार निभाने वाली अंजू ने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट शेयर कर अपने सफर के खत्म होने की जानकारी दी।

अंजू जाधव के किरदार की एंट्री के बाद कहानी में काफी ट्विस्ट आए थे, लेकिन अब अभिरा द्वारा सच सामने लाने के बाद उनका ट्रैक खत्म कर दिया गया है। अपने आखिरी शूटिंग डे को यादगार बनाते हुए अंजू ने सेट से कई तस्वीरें साझा कीं, जिनमें शो की पूरी कास्ट नजर आ रही है। अपने पोस्ट में अंजू ने लिखा कि यह सफर उनके लिए किसी सपने जैसा रहा। उन्होंने टीम को अपना परिवार बताते हुए कहा कि इस शो ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया और यादगार अनुभव दिए। उन्होंने प्रोडक्शन टीम, डायरेक्टर्स और को–एक्टर्स का खास तौर पर धन्यवाद किया। शेयर की गई तस्वीरों में समृद्धि शुक्ला, रोहित पुरोहित और अन्य कलाकारों के साथ उनकी खास बॉन्डिंग देखने को मिली। फैंस भी उनके इस पोस्ट पर इमोशनल रिएक्शन दे रहे हैं। बता दें कि अंजू जाधव इससे पहले कई लोकप्रिय टीवी शोज में नजर आ चुकी हैं और 2019 में फिल्म 'दोस्ती के साइड इफेक्ट्स' से बॉलीवुड डेब्यू भी कर चुकी हैं।

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' 2 में नया ट्विस्ट: करण का राज तोड़ेगा रिश्ते

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीवी शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी-2 में इन दिनों जबरदस्त ड्रामा देखने को मिल रहा है। बरखा बिष्ट के शो छोड़ने के बाद अब कहानी में नया मोड़ आने वाला है, जो तुलसी और मिहिर के परिवार को हिला कर रख देगा।आने वाले एपिसोड में दिखाया जाएगा कि करण और नंदिनी के रिश्ते में दरार गहराती जा रही है। नंदिनी को करण पर शक है कि उसकी जिंदगी में कोई और है। हालांकि करण अपनी सफाई देता है, लेकिन नंदिनी को यकीन नहीं होता। हालात इतने बिगड़ जाते हैं कि करण अलग होने तक की बात कह देता है। इस बीच कहानी में बड़ा ट्विस्ट तब आएगा, जब तान्या की वापसी होगी। जिसे अब तक मृत माना जा रहा था, वही करण–नंदिनी के रिश्ते में तूफान लाएगी।

'मटका किंग' रिव्यू: विजय वर्मा की दमदार एक्टिंग, कहानी में थ्रिल का तड़का

यूनिक समय, नई दिल्ली। मटका किंग एक पीरियड क्राइम ड्रामा है, जिसमें विजय वार ने शानदार परफॉर्मेंस दी है। नागराज पोपटराव मंजुले के निर्देशन में बनी यह सीरीज 1960 के दशक के 'मटका' जुए के खेल पर आधारित है।

कहानी बृज भट्टी नाम के एक आम आदमी की है, जो ईमानदारी के दम पर सट्टेबाजी की दुनिया में बड़ा नाम बनता है। लेकिन सफलता के साथ उसकी जिंदगी में लालच, धोखा और रिश्तों का संघर्ष भी बढ़ता जाता है। सीरीज में थ्रिल, इमोशन और ड्रामा का अच्छा मिश्रण देखने को मिलता है। विजय वर्मा ने अपने किरदार को गहराई से निभाया है और हर सीन में प्रभाव छोड़ते हैं। उनके साथ कृतिका कामरा और गुलशन ग्रोवर भी अपनी भूमिकाओं में जंचते हैं। हालांकि कुछ जगहों पर कहानी की रफ्तार धीमी लगती है और तकनीकी कमियां भी नजर आती हैं, लेकिन कुल मिलाकर यह एक एंटरटेनिंग सीरीज है।

हुमा कुरैशी का शायराना पोस्ट वायरल रूमर्ड बॉयफ्रेंड का खास रिएक्शन

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी एक बार फिर अपने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं। अपनी शानदार एक्टिंग के साथ–साथ हुमा अपने स्टाइल और एक्सप्रेशन के लिए भी जानी जाती हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ बेहद खूबसूरत तस्वीरें साझा कीं, जिनमें उनका ट्रेडिशनल और एलिगेंट अंदाज देखने को मिला।

इन तस्वीरों में हुमा गोल्डन–व्हाइट सूट में नजर आ रही हैं, सिर पर पल्लू रखे उनका लुक बेहद आकर्षक लग रहा है। इसके साथ उन्होंने कुछ ब्लैक एंड व्हाइट फोटोज भी शेयर कीं, जो उनके क्लासिक स्टाइल को और निखारती हैं। लेकिन इन तस्वीरों से ज्यादा ध्यान खींचा उनकी लिखी शायरी ने।

हुमा ने अपने पोस्ट में लिखा– "कौन जीतेगा उनसे बातों में, जिनकी आंखें कलाम करती हैं।" इसके आगे उन्होंने इसे आसान शब्दों में समझाते हुए लिखा कि जिनकी आंखें खुद बोलती हों, उनसे बहस जीतना मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन है। उनका यह शायराना अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है और लोग इस पर जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इस पोस्ट पर सबसे ज्यादा ध्यान खींचा उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड रचित सिंह के रिएक्शन ने।

उनका कमेंट छोटा था, लेकिन उसने सोशल मीडिया यूजर्स का ध्यान अपनी ओर खींच लिया और दोनों के रिश्ते को लेकर फिर चर्चाएं तेज हो गईं। हुमा का यह पोस्ट एक बार फिर साबित करता है कि वह सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेत्री ही नहीं, बल्कि अपनी भावनाओं को खूबसूरती से शब्दों में पिरोना भी जानती हैं।

वाराणसी में झंडा विवाद पर हिंसा

दो संगठनों में पथराव, एसीपी समेत कई पुलिसकर्मी घायल

हालात संभालने में जुटी पुलिस

नेहिया में तनाव, भारी पुलिस बल तैनात

आंबेडकर जयंती के बाद बढ़ा विवाद, दूसरे दिन भी बवाल

वाराणसी में झड़प, पुलिस अधिकारी घायल, जांच शुरू

यूनिक समय, वाराणसी। वाराणसी के चोलापुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को दो संगठनों के बीच झंडा और पोस्टर विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। नेहिया गांव में दूसरे दिन भी तनाव बढ़ गया और देखते ही देखते दोनों पक्ष आमने–सामने आ गए। इस दौरान जमकर पथराव हुआ, जिसमें पुलिसकर्मी भी इसकी चपेट में आ गए।

पथराव के दौरान एसीपी सारनाथ विदुष सक्सेना के सिर पर गंभीर चोट आई, जिसके बाद उन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। इसके अलावा एक दरोगा समेत दो अन्य पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मौके पर पांच थानों की पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है।

घटना की जानकारी मिलते ही डीसीपी वरुणा जोन प्रमोद कुमार, एसडीएम पिंडरा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। पुलिस ने पूरे इलाके को घेरकर स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की और फिलहाल माहौल को काबू में बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, विवाद की शुरुआत 14 अप्रैल को आंबेडकर जयंती के मौके पर लगे झंडे से हुई थी। आरोप है कि कुछ अराजकतत्वों ने झंडा फाड़कर जला दिया, जिससे एक पक्ष में आक्रोश फैल गया। इसके बाद भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए सड़क जाम कर दिया। स्थिति तब और बिगड़ गई जब दूसरे संगठन के लोग भी मौके पर पहुंच गए और दोनों पक्षों के बीच तीखी झड़प शुरू हो गई। गुरुवार को किसी तरह मामला शांत कराया गया था, लेकिन शुक्रवार को फिर से दोनों पक्ष आमने–सामने आ गए और पथराव शुरू हो गया। पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही जा रही है। इलाके में एहतियात के तौर पर भारी पुलिस बल तैनात है।

संभल में दूसरे दिन भी बुलडोजर कार्रवाई

सरकारी जमीन पर बने अवैध निर्माण ध्वस्त

यूनिक समय, संभल। संभल जिले में अवैध निर्माण के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई लगातार दूसरे दिन भी जारी रही। असमोली थाना क्षेत्र के गांव मुबारकपुर बंद में सरकारी जमीन पर बने ढांचों को हटाने के लिए बुलडोजर और क्रेन का इस्तेमाल किया गया। शुक्रवार को जुमे की नमाज से पहले प्रशासन ने मस्जिद की मीनार को क्रेन की मदद से गिरा दिया, जिससे इलाके में हलचल मच गई।

प्रशासन के मुताबिक, जिस जमीन पर मस्जिद, मदरसा, दुकानें और अन्य निर्माण किए गए थे, वह सरकारी भूमि है। इस मामले में तहसीलदार न्यायालय से ध्वस्तीकरण का आदेश प्राप्त होने के बाद कार्रवाई शुरू की गई। एसडीएम के नेतृत्व में गठित टीम में राजस्व विभाग के अधिकारी, दो राजस्व निरीक्षक और सात लेखपाल शामिल रहे। मौके पर सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

ग्रामीणों का कहना है कि इस जमीन पर वर्षों से अवैध कब्जा था, जिसे हटाने की मांग पहले से की जा रही थी। कुछ लोगों ने स्वयं निर्माण हटाने की कोशिश भी की, लेकिन संसाधनों की कमी के चलते यह संभव नहीं हो सका। इसके बाद प्रशासन से कार्रवाई की मांग की गई।

बताया जा रहा है कि उक्त जमीन पर मदरसा, मस्जिद के अलावा पांच दुकानें, एक प्राइमरी स्कूल और कई मकान भी बने हुए थे। यह निर्माण खाद के गड्ढे और खेल के मैदान की भूमि पर किए गए थे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी अवैध निर्माणों को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाएगा।

इस कार्रवाई के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई, लेकिन एहतियात के तौर पर पुलिस बल तैनात रहा। प्रशासन का कहना है कि सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराने का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

महिला आरक्षण पर मायावती का हमला

कांग्रेस–सपा पर दोहरे रवैये का आरोप

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में महिला आरक्षण के मुद्दे पर राजनीति तेज हो गई है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए उनके रुख को "गिरगिट की तरह बदलने वाला" बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में रहते हुए इन दलों ने कभी भी एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों के अधिकारों को पूरी तरह लागू करने की गंभीर कोशिश नहीं की।

मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में कहा कि कांग्रेस अब पिछड़े वर्गों की महिलाओं की बात कर रही है, जबकि अपने शासनकाल में उसने आरक्षण के तय कोटे को लागू कराने में कोई ठोस पहल नहीं की। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि मंडल आयोग की सिफारिशों के तहत ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का श्रेय पूर्व प्रधानमंत्री की सरकार और बसपा के प्रयासों को जाता है।

सपा पर निशाना साधते हुए मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पिछड़े मुस्लिमों को ओबीसी का लाभ देने वाली रिपोर्ट को सपा सरकार ने ठंडे बस्ते में डाल दिया था, जिसे बाद में बसपा सरकार ने लागू किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा सत्ता में रहते हुए अलग रवैया अपनाती है और विपक्ष में रहते हुए अलग बयान देती है।

महिला आरक्षण को लेकर उन्होंने कहा कि यदि इसे जल्द लागू करना है तो 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यदि कांग्रेस केंद्र में होती, तो वह भी इसी तरह का रुख अपनाती। मायावती ने अंत में कहा कि एससी, एसटी, ओबीसी और मुस्लिम समाज के हितों के मामले में कोई भी राजनीतिक दल पूरी तरह गंभीर नहीं रहा है। उन्होंने इन वर्गों से अपील की कि वे किसी के बहकावे में न आएं और आत्मनिर्भर बनकर अपने अधिकारों के लिए आगे बढ़ें।

ACCREDITED INS THE INDIAN NEWSPAPER SOCIETY
Google Partner
UNICOM Advertising
DIGITAL MARKETING
NOW IN MATHURA
30 YEARS of Expertise
GO DIGITAL
Promote your Offline Business --> Online
Optimum Business Reach to your Customers at Affordable Cost.
PEOPLE GO ONLINE + THEY SEE YOU = YOU GET MORE CUSTOMERS
(CALL NOW)
+91 8077039791 | +91 8868895670 | +91 9719769738
Office - Krishna Nagar Chowk, Mathura +91 9837115157

पकड़े गए संदिग्ध आतंकियों की साजिश का खुलासा

कई बड़े ठिकाने थे निशाने पर

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में गिरफ्तार किए गए चार संदिग्ध आतंकियों से पूछताछ में बड़े खुलासे सामने आए हैं। जांच एजेंसियों के मुताबिक, ये आरोपी पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स के इशारे पर देश में बड़ी आतंकी वारदात की साजिश रच रहे थे। उनके निशाने पर गाजियाबाद के साहिबाबाद स्थित हिंदू रक्षा दल का कार्यालय और राजनगर एक्सटेंशन का दिल्ली–6 मॉल था।

एटीएस ने 2 अप्रैल को इस मामले में मेरठ निवासी साकिब, अरबाब, लोकेश और विकास को गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने इन स्थानों की रेकी कर वहां के वीडियो और तस्वीरें पाकिस्तानी हैंडलर्स को भेजी थीं। इसके बदले उन्हें करीब 13 हजार रुपये भी मिले थे, जो क्यूआर कोड के माध्यम से ट्रांसफर किए गए।

जांच एजेंसियों को आरोपियों के मोबाइल फोन से व्हाट्सएप चैट, ऑडियो रिकॉर्डिंग और लोकेशन शेयरिंग से जुड़े अहम सबूत मिले हैं। इसके अलावा अलीगढ़ के एक कार शोरूम को भी निशाना बनाने की योजना सामने आई है, जहां आगजनी की साजिश थी। गाजियाबाद में सड़क किनारे खड़े ट्रकों के वीडियो भी हैंडलर्स को भेजे गए थे।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपियों के पास से 24 पर्चे भी बरामद हुए हैं। इन पर्चों में हिंदी और उर्दू दोनों भाषाओं में धमकी भरे संदेश लिखे गए थे, जिन्हें वारदात के बाद घटनास्थल पर फैलाने की योजना थी। संदेशों में आगे भी हमले जारी रखने की बात कही गई थी।

जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी व्हाट्सएप पर एक संदिग्ध ग्रुप से जुड़े थे, जिसमें पाकिस्तानी हैंडलर्स सक्रिय थे। फिलहाल एजेंसियां पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही हैं और अन्य संभावित लिंक खंगाले जा रहे हैं।

सोनभद्र में कफ सिरप तस्करी पर बड़ा एक्शन आरोपी का पिता निरुद्ध

यूनिक समय, सोनभद्र। सोनभद्र का पुलिस ने कोडीन युक्त कफ सिरप की अवैध तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात तस्कर शुभम जायसवाल के पिता भोला प्रसाद को पीआईटी–एनडीपीएस एक्ट के तहत एक वर्ष के लिए निरुद्ध कर दिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के प्रस्ताव पर की गई, जो 15 अप्रैल 2026 से प्रभावी हो चुकी है।

जांच में सामने आया कि भोला प्रसाद फर्जी फर्मों के माध्यम से कफ सिरप का अवैध डायवर्जन और काले बाजार में बिक्री करता था। "शैली ट्रेडर्स" के जरिए दवाएं लेकर उन्हें नशे के रूप में उपयोग के लिए अवैध रूप से बेचा जाता था। पुलिस के अनुसार इस तस्करी का नेटवर्क देश के साथ–साथ विदेश तक फैला हुआ था। फिलहाल मामले की गहन जांच जारी है और अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सार संक्षेप

दिल्ली को मिली 200 नई ईवी बसों की सौगात

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 200 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई। इनमें 140 ईवी बसें शामिल हैं, जो अंदरूनी इलाकों में बेहतर कनेक्टिविटी देंगी। साथ ही ईस्ट विनोद नगर डिपो की नई बिल्डिंग और मदनपुर खादर बस टर्मिनल का भी उद्घाटन हुआ। सरकार का दावा है कि इससे प्रदूषण कम होगा और यात्रियों को आरामदायक व हरित परिवहन सुविधा मिलेगी।

ब्रिगेडियर और बेटे पर हमले के सभी आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के वसंत एन्क्लेव में सेना के ब्रिगेडियर और उनके बेटे पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने फरार सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना 11 अप्रैल की रात की है, जब ब्रिगेडियर ने कुछ लोगों को कार में शराब पीते हुए टोका था, जिसके बाद विवाद बढ़कर मारपीट में बदल गया। बाद में कई लोग मौके पर पहुंचे और हमला किया। पुलिस ने पहले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था, जिन्हें थाने से जमानत मिल गई थी। अब बाकी आरोपी भी पकड़े गए हैं।

नरेला में जूता फैक्टरी में लगी भीषण आग

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के नरेला औद्योगिक क्षेत्र के ए ब्लॉक में शुक्रवार सुबह जूता बनाने की एक फैक्टरी में भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 12 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। आग की गंभीरता को देखते हुए चार अतिरिक्त गाड़ियों को भी बुलाया गया। दमकल विभाग के अनुसार आग सुबह करीब 7:45 बजे लगी थी। राहत की बात है कि अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर स्पाइसजेट और अकासा एयर के दो विमानों की सिफ्टिंग के दौरान टक्कर हो गई। इस घटना में स्पाइसजेट के विमान का विंगलेट और अकासा एयर के विमान का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। राहत की बात यह रही कि किसी यात्री या क्रू सदस्य को चोट नहीं आई। दोनों फ्लाइट्स को रद्द कर दिया गया है। डीजीसीए ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

इंडोनेशिया में हेलीकॉप्टर क्रैश, आठ की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंडोनेशिया के बोर्नियो द्वीप पर एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार सभी 8 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब एयरबस एच130 हेलीकॉप्टर दो पाम ऑयल प्लांटेशन के बीच उड़ान भर रहा था। उड़ान के कुछ ही मिनटों बाद इसका संपर्क टूट गया। राहत और बचाव दल ने घने जंगल में मलबा खोजकर सभी 2 क्रू और 6 यात्रियों के शव बरामद किए। इनमें एक मलेशियाई नागरिक भी शामिल था।

सीएपीएफ का नया कानून

पहली शीर्ष कॉन्फ्रेंस की तैयारी पीएम मोदी करेंगे संबोधन

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल से जुड़े नए कानून के लागू होने के बाद केंद्र सरकार एक बड़ी कॉन्फ्रेंस आयोजित करने जा रही है। इस सम्मेलन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संबोधित करेंगे और इसकी जिम्मेदारी खुफिया ब्यूरो आईबी को सौंपी गई है।

यह पहली बार होगा जब सीएपीएफ के शीर्ष नेतृत्व को लेकर इस तरह की अलग कॉन्फ्रेंस आयोजित की जा रही है। इससे पहले केवल डीजी–आईजी स्तर का वार्षिक सम्मेलन होता था, जिसमें आंतरिक सुरक्षा और समन्वय जैसे मुद्दों पर चर्चा होती थी। नए उअढा कानून को लेकर विवाद भी तेज हो गया है। पूर्व कैडर अधिकारियों का कहना है कि इस कानून से उनकी पदोन्नति के अवसर प्रभावित होंगे और गृह मंत्रालय को अत्यधिक शक्तियां मिल जाएंगी। इसी के विरोध में पूर्व अधिकारी सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी कर रहे हैं और 6 मई को जंतर–मंतर पर प्रदर्शन की भी योजना है। सूत्रों के मुताबिक, इस कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य सीएपीएफ बलों के लिए एक एकीकृत मंच तैयार करना है, ताकि देश की आंतरिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर बेहतर समन्वय हो सके। इसमें आतंकवाद, नक्सलवाद और राज्यों की पुलिस के साथ सहयोग जैसे विषयों पर चर्चा होगी। आईबी ने सभी बलों से सुझाव भी मांगे हैं, जिन्हें 20 अप्रैल तक भेजना होगा। इसके बाद इन सुझावों को गृह मंत्रालय, पीएमओ और एनएसए कार्यालय तक पहुंचाया जाएगा। यह सम्मेलन सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

पाकिस्तान–अफगान रूट से नशे की तस्करी बढ़ी, आतंकी फंडिंग का खतरा गहराया

DRUGS DISPOSAL
NAGAON POLICE

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत में नशीले पदार्थों की तस्करी को लेकर सुरक्षा एजेंसियों की चिंता एक बार फिर बढ़ गई है। ताजा इनपुट के अनुसार पाकिस्तान–अफगानिस्तान क्षेत्र यानी 'गोल्डन क्रिसेंट' से आने वाली ड्रग्स की खेप में तेजी देखी जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बढ़ोतरी सिर्फ अपराध नहीं, बल्कि आतंकवादी फंडिंग नेटवर्क से भी जुड़ी हो सकती है, जिससे देश की आंतरिक सुरक्षा पर बड़ा खतरा पैदा हो रहा है।

सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार पाकिस्तान और अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों से भारत में नशीले पदार्थों की तस्करी लंबे समय से जारी है, लेकिन हाल के महीनों में इसमें उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस रूट से मुख्य रूप से चरस, हेरोइन और मेथामफेटामाइन जैसे खतरनाक ड्रग्स की सप्लाई की जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में आने वाले कुल नशीले पदार्थों का बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से आता है। यह

देश की आंतरिक सुरक्षा पर बड़ा खतरा

नेटवर्क न सिर्फ स्मगलिंग तक सीमित है, बल्कि इसके जरिए अवैध कमाई को आतंकी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किए जाने की आशंका भी जताई जा रही है। एजेंसियों का मानना है कि इस ड्रग नेटवर्क से मिलने वाला पैसा कई बार भारत विरोधी गतिविधियों में इस्तेमाल होता है। इसी वजह से इसे 'ड्रग–टेरर कनेक्शन' के तौर पर भी देखा जा रहा है। पाकिस्तान आधारित कुछ नेटवर्क इस अवैध व्यापार को बढ़ावा देकर न सिर्फ मुनाफा कमा रहे हैं, बल्कि क्षेत्र में अस्थिरता फैलाने की कोशिशों में भी शामिल बताए जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, भारत में आने वाले कुल नशीले पदार्थों में लगभग 65 प्रतिशत हिस्सेदारी इसी गोल्डन क्रिसेंट क्षेत्र की है। यह आंकड़ा सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती बन गया है

वेदांता ब्लास्ट : 21 मौतों के बाद लापरवाही पर उठे गंभीर सवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। वेदांता लिमिटेड के छत्तीसगढ़ स्थित थर्मल पावर प्लांट में हुए भीषण विस्फोट ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इस हादसे में 21 मजदूरों की मौत और कई लोगों के घायल होने के बाद अब कंपनी पर गंभीर लापरवाही के आरोप लग रहे हैं।

जांच रिपोर्ट के अनुसार, प्लांट में बॉयलर फर्नेस के भीतर अत्यधिक ईंधन जमा हो गया था, जिससे अचानक खतरनाक दबाव बना और विस्फोट हुआ। शुरुआती फॉरेंसिक निष्कर्ष भी यही बताते हैं कि यह हादसा तकनीकी खराबी से ज्यादा संचालन में लापरवाही का परिणाम था। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि हादसे से पहले प्राइमरी एयर फैन में कई बार खराबी आई थी और कंट्रोल रूम में रेड अलर्ट लगातार दिख रहा था। इसके बावजूद उत्पादन नहीं रोका गया और कुछ ही घंटों में बॉयलर का लोड 350 मेगावाट से बढ़ाकर 590 मेगावाट कर दिया गया, जिससे सिस्टम पर अत्यधिक दबाव पड़ा। इसी लापरवाही को आधार बनाकर पुलिस ने अनिल अग्रवाल और कंपनी प्रबंधन के अन्य अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जांच टीम में पुलिस और फॉरेंसिक विशेषज्ञ शामिल हैं, जो पूरे तकनीकी सिस्टम की गहन जांच कर रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब मशीनें बार–बार फेल हो रही थीं और रेड अलर्ट मिल रहा था, तब प्लांट को बंद क्यों नहीं

यह हादसा तकनीकी खराबी से ज्यादा संचालन में लापरवाही का परिणाम था

किया गया। उत्पादन बढ़ाने की जल्दबाजी ने आखिरकार एक बड़े हादसे का रूप ले लिया। फिलहाल जांच जारी है, लेकिन यह मामला औद्योगिक सुरक्षा और जिम्मेदारी को लेकर एक बड़ा सबक बनकर सामने आया है।

शनिदेव की आंखों पर कपड़ा बांधकर लाखों के गहने चोरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा के बालासोर जिले के एक मंदिर में हुई अजीबोगरीब चोरी ने लोगों को हैरान कर दिया है। मामला बालासोर के कोलीगाड़ी गांव का है, जहां चोरों ने दो मंदिरों को निशाना बनाकर लाखों रुपये के गहने चुरा लिए।

पहले चोरों ने हनुमान मंदिर का ताला तोड़कर भगवान राम, लक्ष्मण और हनुमान जी के चांदी के मुकुट, कंगन और अन्य कीमती सामान चोरी किए। इसके बाद वे पास ही स्थित शनि मंदिर पहुंचे और वहां भी बड़ी चोरी को अंजाम दिया।

सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि चोरों ने शनिदेव की मूर्ति की आंखों पर काला कपड़ा बांध दिया, ताकि भगवान उनकी हरकत न देख सकें। स्थानीय लोगों में इसे लेकर गुस्सा और आस्था दोनों तरह की भावनाएं देखी जा रही हैं।

मंदिर से चांदी का मुकुट, सोने का लॉकेट, कंगन और अन्य आभूषण समेत करीब 4 लाख रुपये की संपत्ति चोरी हुई है। इतना ही नहीं, चोर दो साइकिलें भी साथ ले गए। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है और पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल चोरों की तलाश जारी है और यह घटना इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला: पवन खेड़ा को नहीं मिली अग्रिम जमानत

यूनिक समय, नई दिल्ली। पवन खेड़ा से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें बड़ी राहत देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत की याचिका खारिज करते हुए उन्हें कड़ी फटकार भी लगाई।

मामले की सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकीलों के बीच तीखी बहस देखने को मिली। पवन खेड़ा की ओर से पेश वकील ने कहा कि उन्हें ट्रांजिट बेल की अवधि बढ़ाने की जरूरत है ताकि वे असम में सही तरीके से याचिका दाखिल कर सकें। हालांकि सॉलिसिटर जनरल ने इस याचिका का विरोध किया। कोर्ट ने सवाल उठाया कि याचिका असम की बजाय तेलंगाना में क्यों दाखिल की गई और दस्तावेजों में कथित गड़बड़ी पर भी नाराजगी जताई। जजों ने स्पष्ट कहा कि गलत या फर्जी दस्तावेजों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि यह एक तकनीकी गलती थी और उन्होंने सही दस्तावेज भी दाखिल किए थे। उन्होंने ट्रांजिट सुरक्षा जारी रखने की मांग की, लेकिन कोर्ट ने इसे स्वीकार नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट ने साफ निर्देश दिया कि याचिका अब असम की अदालत में ही दाखिल की जाए और वहीं आगे की सुनवाई होगी। कोर्ट का रुख सख्त रहा और उसने कहा कि नियमों के अनुसार ही प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। यह मामला अब आगे असम की अदालत में तय होगा, जहां अगली कानूनी लड़ाई लड़ी जाएगी।

कश्मीर में सेना के संग्रहालय में लगी आतंकवादियों से बरामद हथियारों की प्रदर्शनी

यूनिक समय, नई दिल्ली। कश्मीर घाटी में स्थित श्रीनगर के 'इबादत–ए–शहादत' संग्रहालय में पाकिस्तानी आतंकवादियों से बरामद किए गए हथियारों का बड़ा संग्रह रखा गया है। यह संग्रहालय सेना की कार्रवाई और आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष की कहानी को दर्शाता है।

इस संग्रह में एके–47, अङ–56 राइफलें, पिस्तौल और अन्य हथियार शामिल हैं, जो 1990 से अब तक विभिन्न मुठभेड़ों और अभियानों के दौरान आतंकियों से जब्त किए गए थे। कई हथियारों पर गोलियों के निशान भी देखे जा सकते हैं, जो उस समय हुई मुठभेड़ों की तीव्रता को दर्शाते हैं। यह संग्रहालय 'ऑपरेशन रक्षक' सहित कई अभियानों की यादों को संजोए

एके–47, एके–56 राइफलें, पिस्तौल और अन्य हथियार शामिल

हुए है, जिनमें सुरक्षा बलों ने आतंकवाद के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की थी। इसे 8 दिसंबर 2004 को पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने उद्घाटन किया था।

'इबादत–ए–शहादत' संग्रहालय न सिर्फ हथियारों का प्रदर्शन करता है, बल्कि यह सुरक्षा बलों के साहस, बलिदान और कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ उनकी लंबी लड़ाई की कहानी भी बताता है। यह जगह देशभक्ति और इतिहास को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल मानी जाती है।

ग्रामीणों ने हत्या के विरोध में मोरचरी पर लगाया जाम

पुलिस और ग्रामीणों के बीच हुई कहासुनी

एसपीआरए ने मौके पर पहुंच मामले को सुलझाया

मोरचरी पर पुलिसकर्मियों के साथ भिड़ते ग्रामीण।

यूनिक समय, मथुरा। महावन के ब्रह्मांड घाट के इलाके में पेड़ पर लटके मिले युवक के शव के मामले को लेकर उसकी हत्या किए जाने का आरोप लगाने को लेकर मोरचरी पर पुलिसकर्मियों के साथ ग्रामीणों की भारी नौकझौंक हो गई। स्थिति की जानकारी होने पर एसपीआरए ने मौके पर पहुंचकर मामले को सुलझाया।

धीरज कुमार उर्फ भूरा (25) पुत्र पातीराम निवासी नगला बाला (पचावर) थाना बल्देव के शव महावन पुलिस ने बरामद करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। पोस्टमार्टम ग्रह पर बड़ी संख्या में गांव के लोग मौजूद थे। वहां हंगामा होने की स्थिति को देखते हुए पुलिस को तैनात किया गया था। पोस्टमार्टम के बाद शव को ले जाने को लेकर पुलिस और ग्रामीणों के बीच विवाद हो गया। बात इतनी बढ़ गई स्थिति खराब होने लगी। ग्रामीणों और पुलिस के बीच जमकर हंगामा हुआ। लोगों ने सड़क पर जाम भी लगा दिया। इस जानकारी पर भारी संख्या में पुलिस पहुंच गई। एसपीआरए सुरेशचंद रावत ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को कंट्रोल किया और वहां से शव को भिजवा दिया। ग्रामीणों का आरोप था कि उसकी हत्या की गई है। एसपीआरए ने कहा कि मामले की जांच कराई जाएगी।

सभी बेटियों को अपनी बेटी समान मानें : ज्योति राठी

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला मंडल की नव–निर्वाचित अध्यक्ष ज्योति राठी के साथ मथुरा की महिला पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला मंडल की नव–निर्वाचित अध्यक्ष ज्योति राठी यहां पहुंचीं। उन्होंने अपने नवीन कार्यकाल का शुभारंभ ठाकुर बांके बिहारी महाराज एवं ठाकुर द्वारिकाधीश महाराज के दर्शन के साथ किया।

माहेश्वरी महिला मंडल ने उनका स्वागत किया गया। अपने उद्बोधन में ज्योति राठी ने मथुरा मंडल के स्वागत की सराहना की। उन्होंने अपने कार्यकाल की प्रथम बैठक में आगामी तीन वर्षों की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि बेटियों को शिक्षा के साथ–साथ हमारे संस्कार, त्योहारों की परंपराएं एवं रीति–रिवाज भी सिखाने पर बल दिया। उन्होंने संदेश दिया कि सभी बेटियों को अपनी बेटी समान मानें तथा बहुओं को भी बेटी का सम्मान दें।

उन्होंने शिप्रा राठी को संपूर्ण भारत में से पांच महिलाओं में चयनित होने एवं "शक्ति वंदनम सम्मान" से सम्मानित होने पर बधाई भी दी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष शिप्रा राठी ने की। सचिव रुचिता माहेश्वरी ने आभार जताया।

कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष एडवोकेट राजेंद्र माहेश्वरी, महामंत्री अभिषेक माहेश्वरी, माहेश्वरी युवा मंडल के अध्यक्ष शोभित माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष मोहित माहेश्वरी, पूर्व अध्यक्ष अनूप माहेश्वरी एवं आगामी अध्यक्ष प्रखर माहेश्वरी का विशेष सहयोग रहा। वहीं खजानी वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. हरिमोहन माहेश्वरी एवं आभा माहेश्वरी ने अतिथियों का स्वागत किया।

यातायात और सफाई को लेकर व्यापारियों की कोतवाली में बैठक

अधिकारियों के साथ बैठक करते व्यापारी।

यूनिक समय, मथुरा। शहर की यातायात, बिजली और सफाई व्यवस्था को लेकर फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल के पदाधिकारियों की बैठक कोतवाली में नगर मजिस्ट्रेट व संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ हुई। बैठक में सहायक नगर आयुक्त, ट्रैफिक पुलिस अधिकारी शौर्य कुमार, रामखिलावन शर्मा, कैंट बिजलीघर के एसडीओ और शहर कोतवाल मौजूद थे। बैठक में व्यापारियों ने शहर के प्रमुख बाजारों में यातायात जाम, सड़क के बीच व किनारों पर लगे ट्रांसफॉर्मरों और सफाई व्यवस्था की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। वहीं नगर निगम ने शीघ्र ही बाजारों को अतिक्रमण मुक्त कराने की योजना पर सहमति जताई और व्यापारियों से सहयोग की अपील की। साथ ही चेतावनी दी गई कि सहयोग न करने पर जुर्माना लगाया जाएगा। पुराने शहर के बाजारों में स्कूल बसों के संचालन को वन–वे करने का प्रस्ताव भी रखा गया, जिस पर नगर मजिस्ट्रेट ने जल्द ही स्कूल संचालकों के साथ बैठक करने का आश्वासन दिया। व्यापार मंडल की ओर से समस्याओं का बिंदुवार ज्ञापन सौंपा गया, जिस पर अधिकारियों ने गंभीरता से चर्चा करते हुए आवश्यक बिंदुओं को नोट किया। नगर मजिस्ट्रेट ने स्पष्ट किया कि सबसे पहले ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष अजय कुमार अग्रवाल, जिलाध्यक्ष यशपाल सिंह, जिला महामंत्री सुभाष सैनी, महानगर अध्यक्ष रासबिहारी अग्रवाल सहित कई व्यापारी उपस्थित थे।

मनोनीत सभासद का सदर बाजार में स्वागत

भारतीय जनता पार्टी के मनोनीत पार्षद विष्णु सैनी का स्वागत करते कार्यकर्ता व अन्य लोग।

यूनिक समय, मथुरा। प्रदेश के राज्यपाल द्वारा भारतीय जनता पार्टी के विष्णु कुमार सैनी को नगर निगम मथुरा–वृंदावन में पार्षद मनोनीत किए जाने पर आज उनका सदर बाजार में स्वागत किया गया।

स्वागत कार्यक्रम का शुभारंभ सदर अड्डा तांगा स्टैंड से किया गया, जहां कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों ने फूल–मालाओं के साथ विष्णु सैनी का अभिनंदन किया गया। इसके बाद यहां से रैली सदर तांगा स्टैंड से शुरू होकर यादव धर्मशाला, धोबीपाड़ा से बड़ा बाजार, छोटा बाजार का चौराहा, कुम्हार मोहल्ला, सरस्वती शिशु मंदिर,सैनी नगर माली मोहल्ला होते हुए लाल स्कूल, जमुना बाग रोड बाढ़पूरा स्वयंवर गार्डन तक पहुंची। रास्ते में सर्व समाज के लोगों ने पुष्प वर्षा की गई। स्वयंवर गार्डन पर रैली के समापन हुआ। जहां रामलीला कमेटी सदर बाजार के पूर्व अध्यक्ष भोले यादव, दिनेश यादव पेठा वालों सहित अन्य लोगों ने मनोनीत पार्षद का स्वागत किया गया। स्वागत समारोह में रामलीला कमेटी के सदस्य भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता व क्षेत्रीय सर्व समाज उपस्थित रहे।

पूर्व सैनिक बंधुओं की समस्याओं पर मंथन

जिला सैनिक बंधु की बैठक लेते अपर जिलाधिकारी न्यायिक वेद प्रिय आर्य।

यूनिक समय, मथुरा। जिला सैनिक बंधु की बैठक अपर जिलाधिकारी न्यायिक वेद प्रिय आर्य की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई, जिसमें जनपद के ब्लॉक सैनिक बंधु से प्राप्त पूर्व सैनिकों के प्रार्थना पत्रों पर अब तक हुई कार्रवाई से जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कर्नल एके सिंह ने अवगत कराया। पूर्व सूबेदार रणवीर सिंह ने कोर्ट के आदेश के बावजूद अभी तक जमीन पर कब्जा नहीं दिए जाने के संबंध में शीघ्र आदेश जारी करने का निवेदन किया। कई पूर्व सैनिकों ने गन लाइसेंस शीघ्र के दिए जाने के संबंध में निवेदन किया तथा पारिवारिक तथा अन्य समस्याओं के निराकरण की अपील की। अपर जिलाधिकारी न्यायिक वेद प्रिय आर्य ने पूर्व और आज के सभी प्रार्थना पत्रों पर विचार विमर्श के बाद संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। उत्तर प्रदेश इंडियन एक्स सर्विसेज लीग के कोऑर्डिनेटर खेमचंद शर्मा नगेश ने सभी पूर्व सैनिकों से निवेदन किया कि वह अपनी समस्याओं से संबंधित सभी प्रार्थना पत्रों को अपने क्षेत्र के ब्लॉक अध्यक्ष के माध्यम से जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में एक सप्ताह पूर्वक जमा कर दे। बैठक में कर्नल तेज सिंह, कैप्टन जवाहरलाल, मनोज कुलश्रेष्ठ, हवलदार प्रेम सिंह, आरबी सिंह यादव, सूबेदार बीकेडी, सूबेदार रामवीर सिंह, रामपाल सिंह, रामवीर सिंह, चंद्रवीर सिंह, देव कुमार, वीर नारी त्रिवेणी ने भाग लिया।

शादी के सीजन में गैस सिलेंडर की कमी से बढ़ी परेशानी

सिलेंडर के लिए जिला पूर्ति कार्यालय में लग रही भीड़

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में शादियों का सीजन शुरू होते ही गैस सिलेंडर की कमी ने शादी वाले घरों की चिंता बढ़ा दी है। जिन घरों में शादी की तैयारियां चल रही हैं, वहां खाना बनाने और मेहमानों की व्यवस्था के लिए गैस की जरूरत बहुत ज्यादा होती है। ऐसे में सिलेंडर आसानी से न मिलने पर लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इन दिनों जिला पूर्ति कार्यालय और गैस एजेंसियों पर शादी वाले परिवारों की भीड़ देखी जा रही है। लोग अपनी जरूरत के अनुसार सिलेंडर लेने के लिए बार–बार कार्यालय पहुंच रहे हैं। कई लोग अपने साथ शादी के कार्ड और प्रार्थना पत्र लेकर आ रहे हैं, ताकि उनकी जरूरत को प्राथमिकता दी जा सके। कार्यालय में सुबह से ही लोगों की लाइन लग रही है। लोग अपनी बारी का इंतजार करते हुए आपस में बात करते नजर आते हैं। कोई कहता है कि उसने किसी परिचित से बात कराई है, तो कोई बता रहा है कि उसने किसी जान–पहचान वाले से मदद मांगी है। हर कोई किसी न किसी तरीके से सिलेंडर की व्यवस्था करने की कोशिश कर रहा है।

शादी वाले परिवारों का कहना है कि इस समय गैस की जरूरत सामान्य दिनों से ज्यादा होती है। शादी में मेहमानों के लिए खाना बनाना, अलग–अलग पकवान तैयार करना और लगातार रसोई चलाना जरूरी होता है। ऐसे में समय पर गैस सिलेंडर मिलना बहुत जरूरी हो जाता है। कुछ लोग वैकल्पिक इंतजाम करने की भी सोच रहे हैं, ताकि शादी के कार्यक्रम में कोई दिक्कत न आए। लेकिन ज्यादातर लोग गैस सिलेंडर पर ही निर्भर हैं, क्योंकि यह सबसे आसान और सुविधाजनक तरीका है। शहर में एक तरफ शादी की खुशियां हैं, तो दूसरी तरफ गैस सिलेंडर की चिंता भी बनी हुई है। लोग चाहते हैं कि उन्हें समय पर सिलेंडर मिल जाए, ताकि शादी की तैयारियां बिना किसी रुकावट के पूरी हो सकें।शादी के इस सीजन में गैस सिलेंडर की कमी ने लोगों की भागदौड़ बढ़ा दी है।

फार्मासिस्टों की समस्याओं पर नहीं हो रहा समाधान, आंदोलन की चेतावनी

यूनिक समय, मथुरा। जनपद के डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को प्रार्थना पत्र के माध्यम से कहा कि फार्मासिस्ट संवर्ग की लंबित समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की है। एसोसिएशन का कहना है कि कई बार मौखिक एवं औपचारिक रूप से अवगत कराने के बावजूद अब तक समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया है, जिससे फार्मासिस्टों में रोष व्याप्त है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि फार्मासिस्ट संवर्ग को 10, 16 एवं 26 वर्ष पर देय एसीपी अब तक स्वीकृत कर लागू नहीं की गई है, जबकि नियमानुसार यह प्रक्रिया जनवरी माह में पूरी हो जानी चाहिए थी। इसके अतिरिक्त कुम्भ मेला, वीआईपी ड्यूटी एवं अन्य मेलों में की गई सेवाओं का यात्रा भत्ता भी लंबे समय से लंबित है, जिसका भुगतान नहीं किया गया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष एस.पी. गौतम एवं मंत्री शिव कुमार माहौर सहित अन्य पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो संगठन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि फार्मासिस्टों की सभी लंबित समस्याओं का अतिशीघ्र निस्तारण कराया जाए, ताकि कर्मचारियों में व्याप्त असंतोष को दूर किया जा सके।